हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, रविवार 7 जून 2026

11 संत सेवा ही ईश्वर कृपा का सबसे श्रेष्ठ माध्यमः स्वामी

12 घर-घर जाकर अधिकारी जांचेंगे पानी की सप्लाई

हरियाणा का सबसे बड़ा आयुर्वेदिक हस्पताल

बढ़िया आयुर्वेदिक हस्पताल जिसका आपको इंतजार था–तो अब इंतजार किस बात का

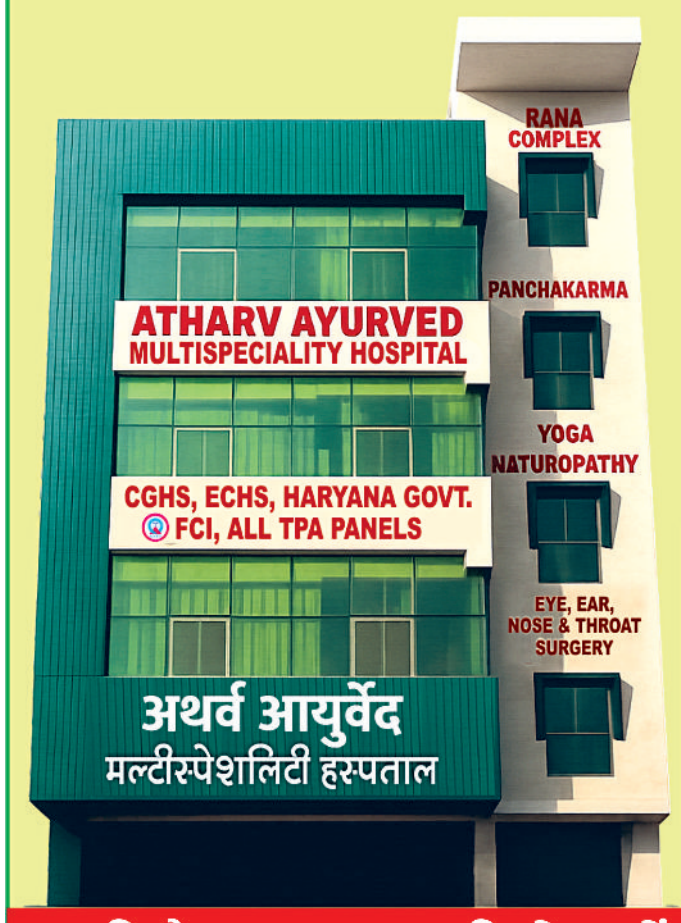

CGHS | ECHS | F.C.I. | Haryana Govt.
सभी प्राइवेट पैनल पर

आयुर्वेद-पंचकर्म-नैचुरोपैथी का संगम

Asli Ayurved With Modern Infra
Ayurved with a Difference-Experience it.

अथर्व™ आयुर्वेद
मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल

छोटूराम स्टेडियम के सामने, सोनीपत रोड, रोहतक
Contact: 01262-257211
8053928881, 8053128881
Dr. Prince | Dr. Sanjeev Madaan | Dr. Danish

सभी पैनल्स आपकी सेवा में
CGHS | ECHS | F.C.I. | Haryana Govt.
1. Star Health
2. ICICI Insurance
3. HDFC Insurance
4. Future General Insurance
5. Bajaj Allianz Insurance
6. SBI General Insurance
7. Care Insurance
8. Aditya Birla Insurance
9. Paramount TPA
10. Universal Sompo
11. Chola MS
12. Reliance General
13. Park Mediclaim & Many Others.

माँ बनने का सपना पूरा करें
बांझपन, बार-बार अबोरशन का समाधान
ट्यूब ब्लॉक, रसौली, फाइब्राइड में आप्रेशन क्यों ?
PCOD/PCOS/ Menstrual Disorders
की टेंशन क्यों ? आयुर्वेद-पंचकर्म से इलाज है
क्वालीफाइड, एक्सपीरियन्सड आयुर्वेदिक स्पैशलिस्ट प्रतिदिन मिलते हैं।
पहले व तीसरे शनिवार फ्री ओ.पी.डी.
सुबह 10:00 बजे से 2:00 बजे तक

बिना चीर फाड़
Anorectal Diseases: Piles, Fissure, Fistula etc.
गुदा रोग: बवासीर, भगंदर, फिशर आदि का
क्षार सूत्र, पंचकर्म से पक्का इलाज, ताकि दोबारा न हो
हर शनिवार फ्री चैकअप सुबह 10: बजे से 2:00 बजे तक
क्षार सूत्र/ प्रोसीजर मात्र Rs.10,000* में
आयें, इलाज करायें- शाम को घर जायें।
इलाज से अगले दिन काम पर जायें।
Qualified Expert प्रतिदिन मिलते हैं
*लैब/ दवा खर्च अलग, बिना दाखिला के

Joints Pain
जोड़ क्यों बदलवायें!
अथर्व में आराम पायें
जोड़ों-कमर दर्द, डिस्क, सरवाईकल, गठिया, लकवा, नसों का फूलना/ कमजोरी आदि में
आयुर्वेद-पंचकर्म-नैथुरोपैथी
पेन किलर → साईडइफैक्टस → नो ईलाज
अथर्व आयुर्वेद
नो साईडइफैक्टस ईलाज

गुर्दे-शुगर-बी. पी.
बीमारी और दवाओं दोनों के साइडइफैक्टस की चिंता छोड़
अथर्व आयुर्वेद आएं
- माईग्रेन, थाइरॉयड, पेशाब, सैक्स रोग
- एसिडिटी, कब्ज, आईबीएस आदि लिवर-पेट रोग
- सोरायसिस, एलर्जी, एग्जिमा आदि चमड़ी रोग
- बच्चों व बड़ों की खाँसी, दमा आदि छाती रोग।

अन्य सभी रोगों का
बिना साइड इफैक्टस समाधान
आयुर्वेद-पंचकर्म-नैचुरोपैथी से।

बिना दवा आराम देने वाले डिपार्टमेन्टस

नये-पुराने सभी दर्दों में
अग्निकर्म, रक्तमोक्षण
से तुरन्त आराम

फिज़ीयोथैरेपी

आधुनिक मशीनों एवं क्वाईपफाईड डॉक्टरों द्वारा
जीवन आसान बनायें
दर्द, जकड़न, जोड़ों, मांस-पेशियों नसों की कमजोरी, चोट, ऑप्रेशन के बाद रिकवरी, स्पोर्टस इंजरी, आदि।

तेज रिकवरी
दर्द नहीं
एक्सपर्ट डॉक्टर प्रतिदिन मिलते हैं।

योग नैचुरोपैथी
से
बिना दवा ईलाज
शरीर-मन का संतुलन
रोगों से मुक्ति
स्वस्थ लम्बा जीवन पायें;
योगा- नैचुरोपैथी के डॉक्टर प्रतिदिन मिलते हैं।

खबर संक्षेप

आयुर्वेद इलाज की पद्धति नहीं, जीवन शैली: सरपंच

बाढ़ड़ा। आयुर्वेद इलाज की पद्धति नहीं जीवन शैली है। आयुर्वेद ही संपूर्ण रोग का नाश करके उत्तम स्वास्थ्य प्रदान करता है। यह बात गांव कारी आदु की सरपंच डा.ज्योति शर्मा ने आयुष विभाग की तरफ से आयुर्वेदिक दवा और इलाज के लिए आयोजित जांच व उपचार शिविर में आमजन को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने बताया कि आयुर्वेद शिविर में गांव कारी आदु की सैकड़ों महिलाओं और पुरुषों ने अपने शरीर की जांच करवा कर संबधित बीमारियों की दवाइयां ली। जिला आयुर्वेद अधिकारी राकेश वशिष्ठ के मार्ग निर्देशन में आयुष आरोग्य मंदिर इस कारी मोद द्वारा ग्राम पंचायत कारी आदु में चिकित्सा कैंप लगाकर लोगों को फ्री इलाज और दवाई दी।

30 तक चलाया जाएगा खेत बचाओ अभियान

भिवानी। वर्तमान में खेती में बहुत ज़्यादा रासायनिक खाद और दवाइयों का इस्तेमाल हो रहा है। इससे हमारे खेतों की मिट्टी खराब हो रही है और पानी भी प्रदूषित हो रहा है। इसी के चलते मिट्टी की सेहत सुधारने के लिए सरकार के निर्देशानुसार कृषि विज्ञान केंद्र ने खेत बचाओ अभियान शुरू किया है। इस अभियान के तहत पूरे हरियाणा में 30 जून तक किसानों के लिए जागरूकता और ट्रेनिंग कैंप लगाए जाएंगे, जो एक जून से शुरु हो चुके हैं। इन विशेष शिविरों का मुख्य उद्देश्य मिट्टी की ताकत को बचाना और खेती का खर्चा कम करना है। कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ संयोजक डॉ. आरएस ढिल्लो और कार्यक्रम की नोडल अधिकारी डॉ. ममता फौगाट ने यह जानकारी दी।

गोरक्षा दल ने लगाई मीठे पानी की छबील

भिवानी। नर सेवा ही नारायण सेवा है, इस उक्ति को चरितार्थ करते हुए गोरक्षा दल भिवानी ने एक बार फिर साबित किया है कि वे केवल बेजुबान गऊओं की रक्षा ही नहीं, बल्कि आमजन की सेवा में भी सदैव अग्रसर रहते हैं। ज्येष्ठ माह की इस भीषण और तपती गर्मी में राहगीरों को राहत देने के लिए गौरक्षा दल भिवानी के सदस्यों द्वारा प्रधान संजय परमार के मार्गदर्शन में शनिवार को स्थानीय बीटीएम चौक पर एक विशाल मीठे व ठंडे पानी की छबील लगाई गई। सदस्यों ने न केवल लोगों की प्यास बुझाई, बल्कि समाज को स्वच्छता का एक बहुत बड़ा संदेश भी दिया।

इमरजेंसी में 20 युवाओं ने किया रक्तदान

भिवानी। रक्तदान महादान होता है, आपके रक्तदान करने से किसी जरूरतमंद की जान बच सकती है। रक्तदान को सबसे बड़ा दान कहा गया है। रक्तदान की अहमियत तब पता चलती है, जब कोई अपना रक्त की कमी के कारण जिंदगी से हार जाता है, यह जानकारी शतकवीर रक्तदाता राजेश डुडेजा ने दी। उन्होंने बताया कि सिविल अस्पताल के ब्लड बैंक में अलग-अलग ब्लड ग्रुप की जरूरत होने पर 20 युवा रक्तदाताओं ने रक्तदान किया। इस मौके पर ब्लड बैंक इंचार्ज डॉ. हर्ष, डॉ. रोहित महला व नर्सिंग अधिकारी सुभाष ने रक्तदाताओं का हौसला बढ़ाया। शतकवीर रक्तदाता राजेश डुडेजा ने कहा कि गर्मी के मौसम मे जहां बीमारियों के कारण जहां अस्पतालों मे मरीजों की संख्या जैसे जैसे बढ रही है, वैसे वैसे रक्त की डिमांड भी तेजी से बढने लगी

प्रधानमंत्री का त्याग का आह्वान दिखावा: सोमवीर

बाढड़ा। प्रदेश की भाजपा सरकार के तीसरे कार्यकाल को सदैव प्रदेश के किसान का पानी पंजाब को देने व बेरोजगार शिक्षित योग्य युवाओं का रोजगार यूपी बिहार को देने के रूप में याद रखा जाएगा। पीएम के दैनिक सुविधाओं में त्याग करने का आह्वान आमजन को केवल झूठा दिखावा है। यह बात कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सोमवीर सिंह ने प्रदेश की भर्तियों में बरते जा रहे गोलमाल को लेकर चिंता प्रकट करते हुए कही। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार ने पांच राज्यों के मतदान के बाद तुरंत प्रभाव से अब तक की सबसे बड़ी बढ़ोतरी कर गरीब आदमी पर अतिरिक्त बोझ डाल दिया है।

भारी पुलिस बल की मौजूदगी में नगर परिषद ने की कार्रवाई

अतिक्रमण पर चला प्रशासन का बुलडोजर, लोगों में मचा हड़कंप

भिवानी। घरों के आगे बनाए गए रैंप को तोड़ती जेसीबी व अतिक्रमण हटाने के दौरान मौके पर तैनात पुलिस बल। फोटो : हरिभूमि

गलियों में बने रैम्प हटने के बाद गलियां खुली-खुली नजर आई। इसके बाद वाहन चालकों ने राहत की सांस ली

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

कई दिन शांत रहने के बाद नगरपरिषद का अतिक्रमणकारियों के खिलाफ अभियान चला। नप ने भारी पुलिस बल की मौजूदगी में घरों के आगे गलियों में बने चबूतरों को तोड़ा। इस दौरान कई जगहों लोगों ने नप के अभियान का विरोध भी किया,लेकिन भारी पुलिस बल की मौजूदगी के चलते उनका विरोध ज्यादा देर तक नहीं चला। करीब एक घंटे तक नप ने गलियों में उतारे गए रैम्प व सीढियों को तोड़कर तंग गलियों को चौड़ा किया। नप के इस तरह के अभियान के बाद क्षेत्र में हडकम्प की स्थिति बनी रही। उल्लेखनीय है कि विगत में भारत नगर के कुछ लोगों ने नगरपरिषद में एक शिकायत देकर कहा था कि उनके इलाके में अधिकांश गलियों में लोगों ने घरों के आगे रैम्प व चबूतरे बना लिए है। जिस वजह से गलियां तंग हो गई। गलियों से वाहनों का आना जाना बेहद कठिन होने लगा है। लोगों की शिकायत के बाद आज नगरपरिषद पूरे अमले के साथ भारत नगर इलाके में पहुंची। नप ने गलियों में बनाए गए रैम्पों को तोड़ना चालू किया तो कुछ लोगों ने इसका विरोध करना आरंभ कर दिया,लेकिन भारी पुलिस की मौजूदगी के चलते उनका विरोध ज्यादा देर तक नहीं चला। उसके बाद नगरपरिषद का अभियान लगातार जारी रहा। गलियों में बने रैम्प हटने के बाद गलियां खुली खुली नजर आई। इसके बाद वाहन चालकों ने राहत की सांस ली।

अतिक्रमण से होती है सभी को परेशानी : संदीप

नगरपरिषद के अधिकारी संदीप ने बताया कि अतिक्रमण से किसी को कोई फायदा नहीं होता,बल्कि सभी को नुकसान होता है। जो अतिक्रमण से रास्ता तंग हो जाता है। आमजन को काफी परेशानी होती है। बाद में नप द्वारा उसको तोड़ा जाता है तो उस पर भी अतिरिक्त खर्च आता है। लोगों को चाहिए कि वे सरकारी जमीन पर अतिक्रमण न करे। अतिक्रमण करने से हर किसी को परेशानी उठानी पड़ती है।

गांव बुशान में एथलेटिक्स प्रतियोगिता का आगाज

तोशाम। प्रतिभागियों को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

- करोड़ों रुपये की लागत से बने सिंथेटिक ट्रैक का उद्घाटन आज करेंगे सांसद धर्मबीर सिंह

हरिभूमि न्यूज ▶▶ तोशाम

चौधरी खेमचंद खेल स्टेडियम बुशान में शनिवार को चतुर्थ आरके सिंह शिव नरेश स्पोर्ट्स दिल्ली की याद में एथलेटिक्स प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन महंत पूर्ण नाथ महाराज ने किया। चौधरी खेमचंद स्टेडियम के संचालक एवं पूर्व जिला खेल अधिकारी कोच जयसिंह कालीरमण ने बताया की करीब 5 करोड़ रुपये की लागत से बने सिंथेटिक ट्रैक का उद्घाटन भिवानी-महेन्द्रगढ़ लोकसभा क्षेत्र से सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह द्वारा रविवार को किया जाएगा। उन्होंने बताया कि यह सिंथेटिक ट्रैक सासंद धर्मबीर सिंह के सहयोग से बना है। कोच ने बताया कि शनिवार को हुई एथलेटिक्स प्रतियोगिता में विजेता रहे खिलाड़ियों को सांसद द्वारा मेडल्स पहनाकर सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि सिंथेटिक ट्रैक एक विशेष रूप से डिज़ाइन किया गया खेल का मैदान है, जिसे पॉलीयुरेथेन और रबर के दानों से बनाया जाता है। यह धावकों को उत्कृष्ट ग्रिप (पकड़) प्रदान करता है, झटके सोखकर पैरों के जोड़ों को चोट से बचाता है और खिलाड़ियों को हर मौसम में अभ्यास करने में मदद करता है। कोच ने बताया कि आगे आने वाले समय में ग्रामीण क्षेत्र से नेशनल और इंटरनेशनल स्तर के खिलाड़ी निकलकर आएंगे।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर केरनाथ महाराज, सरपंच मेहर चंद, पूर्व सरपंच महान सिहं, रूघबीर बीडीसी, पूर्व सरपंच बीर सिहं, हेडमास्टर रोहतास, मास्टर दिनेश, बृजपाल, ओमप्रकाश, सुबे सिहं नम्बरदार, राजबीर, निहाल सिहं, शमसेर, प्रधान रामबीर, राजेश डीपी, पवन कोच, मास्टर उमेद, मास्टर रविन, दिनेश कुमार, सतपाल, कोच सुनील आदि गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

पुराने शहर में जल निकासी के लिए नाला निर्माण कार्य शुरू

- करीब 20 लाख रुपये की लागत से बनेगा जल निकासी का नाला

हरिभूमि न्यूज ▶▶ लोहारू

लोहारू। पुराना शहर में नाला निर्माण कार्य की शुरुआत करते हुए नगर पालिका प्रधान प्रदीप तायल व अन्य। फोटो : हरिभूमि

शनिवार को पुराना शहर इलाके के लोगों को गंदे एवं बरसाती पानी की निकासी की समस्या से निजात दिलवाने को लेकर मस्जिद से राजाराम सैनी के घर तक बनने वाले नाले के निर्माण कार्य की शुरुआत की गई।

नपा प्रधान बंटी तायल और उपप्रधान प्रतिनिधि विपिन सैनी ने बताया कि शहर के विकास की कड़ी में नपा ने आगामी बरसाती सीजन को ध्यान में रखते हुए शहर की जलनिकासी व्यवस्था में बेहतर करने का निर्णय लिया है। उसी कड़ी में पुराना शहर मस्जिद से लेकर राजाराम सैनी के घर तक नाले का निर्माण कार्य शुरू किया। करीब 19 लाख 91 हजार रुपये की लागत से बनने वाले नाले के निर्माण से गंदे एवं बरसाती पानी की निकासी की समस्या का काफी हद तक निदान हो जाएगा। इस मौके पर पार्षद अजय शर्मा, प्रतिनिधि अश्विनी सैनी, नरेश कुमार, पार्षद राजेश सैनी, अशोक सैनी आदि मौजूद रहे।

एआई मिशन को रफ्तार देने की तैयारी

- एबीआरसी, बीआरपी के बाद मुख्य शिक्षकों की बारी
- बैच-5 के लिए विभाग ने कसी कमर

दीपक कुमार दुमड़ा ▶▶ बवानीखेड़ा

हरियाणा के सरकारी स्कूलों को डिजिटल और स्मार्ट बनाने की दिशा में एससीईआरटी गुरुग्राम ने एक और बड़ा कदम उठाया है। स्कूल मुखियाओं को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एआई से जोड़ने के बाद अब प्रदेश के हजारों शिक्षकों को एआई बेसिक कोर्स से ट्रेंड किया जाएगा। इसके लिए बैच-5 को विशेष रूप से शिक्षकों के लिए तैयार किया गया है।

बैच-4 का कोर्स पूरा

भिवानी डाइट प्रवक्ता मोनिका के मुताबिक इससे पहले बैच-4 में प्रदेश के सभी एबीआरसी यानी असिस्टेंट ब्लॉक रिसोर्स कोऑर्डिनेटर और बीआरपी यानी ब्लॉक रिसोर्स पर्सन ने सफलतापूर्वक एआई बेसिक कोर्स पूरा कर लिया है। इन सभी ने कोर्स का सर्टिफिकेट भी हासिल कर लिया है। अब यही एबीआरसी और बीआरपी फील्ड में एआई कोर्स फैसिलिटेटर की भूमिका निभाएंगे। इनका काम होगा कि बैच-5 में ज्यादा से ज्यादा शिक्षकों को कोर्स से जोड़ा जाए और उन्हें सर्टिफिकेशन तक गाइड किया जाए। विभाग द्वारा पहले चरण में हमने लीडरशिप को तैयार किया। एबीआरसी और बीआरपी हमारे सिस्टम की रीढ़ हैं। जब ये खुद एआई समझ गए हैं तो अब ये शिक्षकों को बेहतर तरीके से हैंडहोल्ड कर पाएंगे। फिलहाल बैच-5 स्कूल मुखियाओं के लिए चलाया जा रहा है। इसके तहत सभी प्रिंसिपल, हेडमास्टर, ईएसएचएम, एचटी और स्कूल इंचार्ज के लिए ऑनलाइन एआई बेसिक कोर्स अनिवार्य किया गया है।

जिम्मेदारी तय, कोई मुखिया छूटे नहीं

बीईओ सतेन्द्र सिंह ने बताया कि इस मिशन को 100 प्रतिशत सफल बनाने के लिए जिम्मेदारी फिक्स कर दी गई है। बीआरपी अपने ब्लॉक के सभी क्लस्टर हेड्स का रजिस्ट्रेशन और कोर्स पूरा कराना सुनिश्चित करेंगे। एबीआरसी को अपने क्लस्टर के हर स्कूल मुखिया को जोड़ना है। वहीं डाइट फैकल्टी मेंटर्स पूरे जिले की मॉनिटरिंग करेंगे। विभाग द्वारा समयसीधा तय की है। इस दौरान सभी मेंटर्स का एक ही टारगेट रहेगा कि उनके क्षेत्र का एक भी स्कूल मुखिया कोर्स से वंचित न रहे।

अगला कदम- हर शिक्षक तक

एससीईआरटी आईटी सैल इंचार्ज मनोज कौशिक ने बताया कि एससीईआरटी निदेशक संवर्तक सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित एआई प्रशिक्षण सफल हो रहे हैं। स्कूल मुखियाओं के तुरंत बाद बैच-6 और बैच-7 में प्रदेश के सभी पीजीटी, टीजीटी और पीआरटी को एआई बेसिक कोर्स कराया जाएगा। इसके लिए मॉड्यूल तैयार किए जा रहे हैं। उन्होंने आगे बताया कि नई शिक्षा नीति 2020 में एआई और डिजिटल लर्निंग पर खास जोर दिया गया है।

जिला बार एसोसिएशन और भाजपा लीगल सैल ने कोर्ट परिसर में किया पौधरोपण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

भावी पीढ़ी को स्वच्छ हवा देना हमारी नैतिक जिम्मेदारी : संदीप तंवर

आज पूरा विश्व पर्यावरण प्रदूषण और मौसम चक्र में आ रहे अप्रत्याशित बदलावों से जूझ रहा

पर्यावरण संरक्षण एवं धरती को हरा-भरा बनाने के संकल्प के साथ जिला बार एसोसिएशन और भाजपा लीगल सैल ने एक सराहनीय पहल की है। दोनों संगठनों द्वारा संयुक्त रूप से भिवानी कोर्ट परिसर में पौधरोपण अभियान चलाया। यह पौधा एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में रोपित किया।

कार्यक्रम की खास बात यह रही कि अधिवक्ताओं ने न केवल पौधे लगाए, बल्कि उनके बड़े होने तक नियमित देखभाल और संरक्षण करने का सामूहिक संकल्प भी लिया। अभियान जिला बार एसोसिएशन के प्रधान अधिवक्ता संदीप तंवर और भाजपा लीगल सैल के जिला अध्यक्ष अधिवक्ता दिनेश वर्मा के संयुक्त नेतृत्व में आयोजित किया, जिसमें अनेक अधिवक्ताओं ने बढ़-चढ़कर अपनी भागीदारी दर्ज कराई। प्रधान संदीप तंवर व अधिवक्ता दिनेश वर्मा ने कहा कि आज पूरा विश्व पर्यावरण प्रदूषण और मौसम चक्र में आ रहे अप्रत्याशित बदलावों से जूझ रहा है। भिवानी कोर्ट परिसर हमारा कार्यक्षेत्र है और इसे स्वच्छ व सुंदर रखना हम सभी वकीलों का पहला कर्तव्य है। पेड़-पौधे ही इस धरती के फेफड़े हैं, हम आज सजग नहीं हुए और प्रकृति को बचाने के प्रयास नहीं किए, तो आने वाली पीढ़िया हमें कभी माफ नहीं करेंगी। इस अवसर पर एससी मोर्चा अध्यक्ष अधिवक्ता अशोक बिडलान, अधिवक्ता सुरेश मेवलीवाल, अधिवक्ता रणविजय आदि मौजूद रहे।

आते ही एक्शन मोड़ में आई उपायुक्त कौर, जल्द दूर होगी पेयजल समस्या

- उपायुक्त मंदीप कौर ने अधिकारियों को जल्द समाधान के दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ चरखी दादरी

उपायुक्त मनदीप कौर

नवनियुक्त उपायुक्त मनदीप कौर पदभार ग्रहण करते ही एक्शन मोड में आ गई हैं। उन्होंने छुट्टी होते हुए भी शनिवार को अधिकारियों की बैठक बुलाकर मंथन किया और जनस्वास्थ्य विभाग को स्पष्ट निर्देश दिए कि शहर की पेयजल सप्लाई समस्या का तुरंत समाधान करवाएं। जनस्वास्थ्य विभाग ने उपायुक्त से सभी समस्याओं के समाधान के लिए सप्ताह का समय मांगा है। दूसरी बार जिले की कमान संभालने वाली आईएएस अधिकारी मनदीप कौर ने आते ही अपने विशेष अंदाज में समस्याओं के समाधान की कवायद तेज कर दी है।

इसी कड़ी में उन्होंने शनिवार को छुट्टी के दिन भी जनस्वास्थ्य और सिंचाई विभाग के अधिकारियों की बैठक बुलाई। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट किया कि जिले में किसी भी स्थान पर पेयजल को लेकर समस्या नहीं होनी चाहिए। नहरों में पानी आपूर्ति जारी है, ऐसे में जनस्वास्थ्य विभाग सुनिश्चित करें कि प्रत्येक वॉटर टैंक में पानी भर जाए। साथ ही पशुओं के पीने के पानी के तालाबों में भी सप्लाई सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देश दिए कि दादरी शहर में नई लाइनों के डालने के बाद पेयजल आपूर्ति में जो समस्या आई है, उसे तुरंत ठीक करें शहर का कोई भी क्षेत्र ऐसा नहीं होना चाहिए जहां पर पेयजल सप्लाई न हो। उन्होंने कहा कि इस कार्य के लिए अतिरिक्त टीम लगाकर जल्द से जल्द हर क्षेत्र की समस्या का समाधान करें। इस पर जनस्वास्थ्य विभाग ने शहर की छोटी से छोटी समस्या के समाधान के लिए एक सप्ताह का समय मांगा है।

भाजपा के ग्रामीण मंडल अध्यक्ष ने किया पौधरोपण

भिवानी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर देशव्यापी स्तर पर चल रहे एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत सामाजिक और पर्यावरण संरक्षण की गतिविधियों में तेजी आ गई है। इसी कड़ी में भाजपा ग्रामीण मंडल अध्यक्ष सुनील भारद्वाज धारेडू के नेतृत्व में नई अनाज मंडी स्थित अटल कैंटीन के नजदीक स्थित पार्क में एक पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया। उन्होंने ना केवल स्वयं पौधरोपण किया, बल्कि पर्यावरण को बचाने के लिए उपस्थित ग्रामीणों को अधिक से अधिक पौधे लगाने के लिए प्रेरित भी किया। भारद्वाज ने अपनी माता को नमन करते हुए पौधा रोपा। कार्यक्रम में उपस्थित अन्य कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों ने भी इस मुहिम में बढ़-चढक़र भाग लिया और विभिन्न औषधीय, छायादार व फलदार पौधें लगाए। अभियान की सबसे खास बात यह रही कि इसमें केवल औपचारिकता के लिए पौधे नहीं लगाए गए, बल्कि उनके बड़े होने तक की पूरी देखरेख का ध्यान रखा जाएगा।

भागवत कथा केवल श्रवण नहीं, जीवन में उतारने का मार्ग : आचार्य गोविंद दास

श्रीमद् भागवत कथा में कृष्ण-रुक्मणी विवाह प्रसंग सुन भावविभोर हुए श्रद्धालु

श्री द्वारकाधीश मंदिर सात दिनों चल रही श्रीमद् भागवत महापुराण कथा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

भिवानी। भागवत कथा के दौरान उपस्थित महिलाएं। फोटो : हरिभूमि

विकास नगर स्थित श्री द्वारकाधीश मंदिर में पिछले सात दिनों से चल रहे आध्यात्मिक समागम श्रीमद् भागवत महापुराण ज्ञान यज्ञ के छठे दिन पूरा मंदिर परिसर भगवान श्रीकृष्ण और माता रुक्मणी के जयकारों से गुंजायमान रहा।

इस पावन अवसर पर दूर-दराज से आए सैकड़ों श्रद्धालुओं ने कथा का रसपान किया और धर्म लाभ उठाया तथा रूकमणी उत्सव मनाया। कथा के मुख्य यजमान रामनिवास विजय प्लास्टिक वाले ने परीक्षित स्वरूप में मंच पर विराजमान होकर श्रीमद् भागवत ग्रंथ और व्यास पीठ का विधि-विधान से पूजन-अर्चन किया।

सनातन संस्कृति को भूल रहा मनुष्य

श्रद्धालुओं को शुभाशीष देते हुए कथा व्यास आचार्य गोविंद दास महाराज ने कहा कि श्रीमद् भागवत महापुराण कोई सामान्य ग्रंथ नहीं, बल्कि साक्षात राधा-कृष्ण का वांग्मय स्वरूप है। सात दिनों तक इस ज्ञान यज्ञ में बैठना तभी सार्थक सिद्ध होता है, जब हम यहां से केवल कहानियां लेकर न जाएं, बल्कि भगवान श्रीकृष्ण के चरित्र और उनकी सीख को अपने व्यावहारिक जीवन में उतारें। उन्होंने कहा कि आज के आधुनिक और भागदौड़ भरे युग में मनुष्य मानसिक तनाव और अशांति से जूझ रहा है। इसका एकमात्र कारण यह है कि हम अपनी सनातन संस्कृति और संस्कारों से दूर होते जा रहे हैं।

समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शिव शंकर कसेरा, गौरंग दास, सोनू शर्मा, नरेंद्र अग्रवाल, पंडित कृष्ण शर्मा और पंडित प्रेम शर्मा सहित क्षेत्र के कई गणमान्य लोग और भारी संख्या में भक्तगण उपस्थित रहे। कथा के छठे दिन व्यास आचार्य गोविंद दास महाराज ने भगवान श्रीकृष्ण और माता रुक्मणी के विवाह प्रसंग का अत्यंत मार्मिक वर्णन किया। भगवान कृष्ण और रुकमणी के विवाह का उत्सव शुरू होते ही श्रद्धालु भक्ति में सराबोर होकर नाचने-गाने लगे।

भगवान की बाल-लीलाओं का किया बखान

भिवानी। भीम स्टेडियम के समीप स्थित शिव मंदिर परिसर में चल रही श्रीमद्भागवत कथा के पांचवें दिवस पर शनिवार को श्रद्धालुओं का भारी जनसैलाब उमड़ पड़ा। कथा व्यास अनीता शास्त्री ने यदुवंश के महान राजा शूरसेन के पुत्र वसुदेव एवं माता देवकी के पूर्वजन्म के घोर तप और उसके आलौकिक प्रभाव का अत्यंत मार्मिक वर्णन किया। शास्त्री ने मुख्य प्रसंग की व्याख्या करते हुए बताया कि उग्रसेन का पुत्र कंस, जो भोजवंश के लिए कलंक स्वरूप था, उसने देवताओं के परम पोषक तत्वों सनातन धर्म, गौ, ब्राह्मण, तप, यश और दक्षिणा रूपी जड़ों को समूल नष्ट करने का कुत्सित प्रयास किया। अत्याचारी कंस ने अपने प्राणों की रक्षा के भय से व्याकुल होकर गोकुल में अवतरित हुए बाल गोपाल नंदलाल और भ्राता बलराम के वध हेतु पूतना, वत्सासुर, अकासुर, बकासुर तथा धेनुकासुर जैसे भयानक राक्षसों को भेजा, परंतु प्रभु ने अपनी दिव्य लीलाओं से उन सभी दुष्टों का संहार कर उनका उद्धार किया। कथा व्यास ने उपस्थित जनसमुदाय को संदेश दिया कि सच्ची भक्ति कभी भी किसी उम्र, अवस्था या सांसारिक परिस्थितियों की मोहताज नहीं होती है। उन्होंने सनातन संस्कृति में गाय की सेवा को सर्वोपरि बताते हुए कहा कि गौमाता की निश्छल सेवा से ब्रह्मांड के समस्त देवी-देवताओं का आशीर्वाद सहज ही प्राप्त हो जाता है, यही मुख्य कारण है कि जगत के पालनहार प्रभु का एक प्रिय नाम गोपाल पड़ा।

खबर संक्षेप

गोलागढ़ स्कूल में ग्रीष्म कालीन भाषाई शिविर

भिवानी। वीर शहीद महीपाल राजकीय वमा विद्यालय गोलागढ़ में साप्ताहिक ग्रीष्मकालीन भाषाई शिविर का आयोजन किया, जिसमें हर दिन नई पाठ्य गतिविधियों का संचालन हुआ। इस भाषाई शिविर में विद्यालय के अध्यापकों व कक्षा 6 से 12 के बच्चों ने हिस्सा लिया। विद्यालय के प्राचार्य शिवकुमार शास्त्री ने बताया कि विद्यार्थियों में शिविर को लेकर काफी उत्साह देखा, क्योंकि ऐसे शिविरों का आयोजन बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए ही किया जाता है। नोडल अधिकारी प्रवक्ता संतोष कुमारी ने बताया कि साप्ताहिक शिविर में परिचय, अभिवादन, शहरों के नाम व आपसी बातचीत, कला और संस्कृति, भोजन और रसोई, महापुरुषों की जानकारी, इतिहास और भूगोल आदि विषयों पर गतिविधियां आयोजित की।

विभिन्न स्थानों पर चलाया पौधरोपण अभियान

भिवानी। विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में डीसी साहिल गुप्ता के मार्गदर्शन में प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा विभिन्न जगहों पर जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन यिका गया। इस दौरान विभिन्न स्थानों पर पौधारोपण कर पर्यावरण को बचाने का संदेश दिया गया। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी शैलेंद्र अरोड़ा ने जानकारी देते हुए बताया कि बोर्ड के क्षेत्रीय कार्यालय से पौधारोपण से शुरुआत की गई। शहीद भगत सिंह चौक स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में, औद्योगिक क्षेत्र सेक्टर-21 और 26 में पौधारोपण किया गया।
इस दौरान बुजुर्गों व युवाओं ने पौधारोपण किया।

बीजेपी की नीतियों से किसानों को मिला हक : जयसिंह

भिवानी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, पूर्व राज्यसभा सांसद किरण चौधरी एवं सिंचाई मंत्री श्रुति चौधरी के नेतृत्व में भाजपा सरकार लगातार किसान कल्याण के संकल्प को धरातल पर उतारने का काम कर रही है। हाल ही में सरकार द्वारा किसानों के हित में लिए बड़े फैसलों और खासकर वर्ष 2023 से लंबित 350 करोड़ रुपये के फसल मुआवजे को मंजूरी मिलने के बाद क्षेत्र के किसानों में खुशी की लहर है। वरिष्ठ भाजपा नेता जयसिंह वाल्मीकि ने मुख्यमंत्री सैनी, किरण चौधरी औरसिंचाई मंत्री श्रुति चौधरी की किसान हितैषी सोच एवं बेहतरीन कार्यप्रणाली की जमकर सराहना की है।

8 से 30 जून तक होगा ग्रीष्मकालीन शिविर

भिवानी। हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद चंडीगढ़ की महासचिव सुषमा गुप्ता के निर्देशानुसार तथा डीसी एवं जिला बाल कल्याण परिषद के अध्यक्ष साहिल गुप्ता के मार्गदर्शन में जिला बाल कल्याण परिषद भिवानी द्वारा ग्रीष्मकालीन शिविर का आयोजन किया जाएगा। यह शिविर 8 जून से 30 जून तक संचालित होगा। यह शिविर सरकारी एवं निजी विद्यालयों के बच्चों के शारीरिक, मानसिक एवं रचनात्मक विकास के उद्देश्य से ग्रीष्मकालीन शिविर का आयोजन किया जाता है।
जिला बाल कल्याण अधिकारी गौरव ने बताया कि शिविर के दौरान बच्चों के लिए डांस, पेंटिंग, आर्ट की कक्षाएं निःशुल्क दी।

भक्ति के रंग में रंगी भिवानी, स्वामी भास्करानंद की स्मृति में महोत्सव जारी

संत सेवा ही ईश्वर कृपा का सबसे श्रेष्ठ माध्यम : स्वामी कृष्णानन्द

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

भिवानी नगरी इन दिनों पूरी तरह से भक्ति, श्रद्धा और अध्यात्म के रंग में सराबोर है। यहां तपोभूमि परमहंस योगाश्रम धाम में चल रहे वार्षिक महोत्सव के कारण पूरा क्षेत्र अनूठे आध्यात्मिक प्रवाह में गोते लगा रहा है। चारों ओर गूंजते मंत्रोच्चार और भजनों की ध्वनि से माहौल पूरी तरह दिव्य हो चुका है। महोत्सव श्रीश्री 1008 स्वामी भास्करानंद परमहंस महाराज की पुण्यस्मृति में आयोजित किया। भिवानी व आसपास के क्षेत्रों से हजारों श्रद्धालु महाराज के प्रति अपनी अटूट आस्था एवं श्रद्धा प्रकट करने आश्रम पहुंच रहे हैं। आठ दिवसीय महोत्सव 7 जून तक पूरी श्रद्धा, उल्लास और धार्मिक नियमों के साथ जारी रहेगा। इस विशाल धार्मिक समागम का सफल संपादन स्वामी कृष्णानन्द सरस्वती महाराज के पावन सान्निध्य में किया जा रहा है। महोत्सव में प्रतिदिन कथा, सत्संग एवं संतों के प्रवचनों का दौर चल रहा है, जिसे सुनने के लिए दूर-दूर से भारी संख्या में श्रद्धालु उमड़ रहे हैं। पूरा पंडाल भक्तों की भीड़ से खचाखच भरा नजर आ रहा है। इस धार्मिक महोत्सव का मुख्य आकर्षण बच्चों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम रहे। रंग-बिरंगी पोशाकों में सजे बच्चों ने मंच पर अपनी कला का ऐसा जादू बिखेरा कि हर कोई मंत्रमुग्ध हो गया। बच्चों ने बेहद सुंदर, भावपूर्ण एवं मनमोहक नृत्य कला के माध्यम से भगवान शिव और गुरु की महिमा का सुंदर चित्रण किया।

भिवानी। आध्यात्मि कार्यक्रम में प्रस्तुति देती प्रतिभागी। फोटो: हरिभूमि

भिवानी। प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज की शाखा सिद्धिधाम में कार्यक्रम को संबोधित करते बोर्ड चेयरमैन शंकरलाल धूपड़। फोटो: हरिभूमि

भारतीय संस्कृति में संतों का स्थान सर्वोपरि

तपोभूमि परमहंस योगाश्रम के पीठाधीश्वर स्वामी कृष्णानन्द सरस्वती महाराज व कथाव्यास स्वामी मदनमोहन अलंकार ने भारतीय संस्कृति में संत सेवा के महत्व पर विशेष प्रकाश डालते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति में संतों की सेवा को सर्वोपरि और बेहद महत्वपूर्ण माना गया है। सच्चे मन से संतों की सेवा करने से मनुष्य का मन शुद्ध, पवित्र एवं शांत होता है। जब हम संतों के सान्निध्य में बैठते हैं, तो हमें सच्चा ज्ञान, निश्छल भक्ति और उच्च संस्कार प्राप्त होते हैं। उन्होंने कहा कि संत सेवा व्यक्ति के भीतर छिपे अहंकार का समूल नाश करती है और उसमें विनम्रता का विकास करती है। यह आध्यात्मिक उन्नति का मार्ग प्रशस्त करने और साक्षात ईश्वर की कृपा प्राप्त करने का सबसे सरल व श्रेष्ठ साधन है, इसलिए प्रत्येक मनुष्य को जीवन में समय निकालकर पूरी श्रद्धा और निःस्वार्थ भाव से संतों की सेवा व उनका सत्कार करना चाहिए।

युवाओं से किया व्यसनों से दूर रहकर अपने जीवन चरित्र को ऊंचा उठाने का आह्वान

- कॉलेज लेवल पर आयोजित हों आध्यात्मिक कार्यक्रम : बोर्ड चेयरमैन धूपड़
- ब्रह्मावत्सों ने किया शिक्षा बोर्ड अध्यक्ष का स्वागत

भिवानी। प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज की शाखा सिद्धिधाम में सम्मान समारोह का आयोजन किया, जिसमें गौशाला मार्केट व सिद्धिधाम के संयुक्त कार्यक्रम में नवनियुक्त हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष शंकरलाल धूपड़ का ब्रह्मावत्सों ने स्वागत किया। राजयोगिनी बीके सुमित्रा व राजयोगिनी बीके कीर्ति बहन ने संस्था द्वारा चलाए जा रहे आध्यात्मिक कार्यक्रमों की रूपरेखा व आध्यात्म की बारीकियों पर प्रकाश डाला। इसी कड़ी में अपने अध्यक्षीय भाषण में चेयरमैन धूपड़ ने कहा कि लंबे अरसे से ब्रह्माकुमारीज संस्था से परिचित हूं, संस्था बड़े लेवल पर आध्यात्मिक सामाजिक व्यवहारिक जीवन के बारे में जगह-जगह पर कार्यक्रम कर आमजन को जागरूक कर रही हैं।

तोशाम। विश्व पर्यावरण दिवस पर पौधे वितरित करते हुए। फोटो: हरिभूमि

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 12 साल बेमिसाल : वीरेंद

- देश ने आत्मनिर्भरता और वैश्विक स्तर पर मजबूत पहचान बनाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ तोशाम

भारतीय जनता पार्टी द्वारा तोशाम विधानसभा के चारों मंडलों की संयुक्त बैठक का तोशाम में आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता भाजपा भिवानी जिला अध्यक्ष वीरेंद्र कौशिक ने की। बैठक में मुख्य वक्ता के रूप में भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष मुकेश गौड़ उपस्थित रहे। बैठक को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष वीरेंद्र कौशिक ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 12 वर्षों में देश ने "सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास" के मंत्र के साथ विकास के नए आयाम स्थापित किए हैं। भारत आज आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है और वैश्विक स्तर पर एक मजबूत एवं प्रभावशाली पहचान बना चुका है। इस दौरान बतौर मुख्य वक्ता पहुंचे मुकेश गौड़ ने संगठन की मजबूती पर जोर देते हुए कार्यकर्ताओं से केंद्र एवं हरियाणा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता संगठन की रीढ़ है और पार्टी की नीतियों को जनता तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

ये रहे मौजूद

बैठक में संगठनात्मक विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई तथा आगामी कार्यक्रमों एवं अभियानों को लेकर कार्यकर्ताओं को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस दौरान बैठक में हरि सिंह सागवान, तोशाम मंडल प्रभारी राजपाल कडवासरा, रमेश लालावास, प्रदीप चैयरमैन, अश्वनी मास्टर, तोशाम मंडल अध्यक्ष विक्की महता, ईशरवाल मंडल अध्यक्ष कुलदीप महला, बापोड़ा मंडल अध्यक्ष जगत कौशिक, कैरू मंडल अध्यक्ष सतीश वर्मा, मंडल महामंत्री शैंकी पोपली, राधेश्याम, विजय तंवर, राजेश जांगड़ा, संजय सागवान, रामबीर जांगड़ा, रूली राम शर्मा, महाबीर शर्मा, धर्मबीर जांगड़ा, राजकुमार डुकिया, विजय शेखावत, विक्रम चौहान, सुनील किरावड़, राजेश छान्या, पवन संरपच छपार, सुरेश भुरटाना, अक्षय जुई, शीशराम शर्मा, मदन लाल ढींगड़ा, रामबीर प्रधान, महेन्दर नंबरदार आदि रहे।

विद्यार्थियों ने दिखाई उत्कृष्ट प्रतिभा

- बीके शिक्षण महाविद्यालय में हॉबी क्लासेज का सफल आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ बवानीखेड़ा

बवानी खेड़ा स्थित बी. के. शिक्षण महाविद्यालय में 1 जून से 6 जून 2026 तक आयोजित एक साप्ताहिक हॉबी क्लासेज का सफलतापूर्वक समापन हुआ। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रतिभाओं को निखारना, आत्मविश्वास बढ़ाना तथा उनकी बहुआयामी क्षमताओं का विकास करना था। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने कला एवं शिल्प, नृत्य, संगीत, रचनात्मक लेखन, पोस्टर निर्माण तथा अन्य रचनात्मक गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया। विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिला, जिससे उनमें नई ऊर्जा और सीखने की प्रेरणा का संचार हुआ। कॉलेज प्राचार्य ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल शैक्षणिक ज्ञान प्रदान करना ही नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास करना भी है। हॉबी क्लासेज विद्यार्थियों को अपनी रुचियों को पहचानने और उन्हें विकसित करने का अवसर प्रदान करती हैं, जो उनके भविष्य के लिए अत्यंत लाभदायक सिद्ध होती हैं। समापन अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा तैयार की गई कलाकृतियों एवं प्रस्तुतियों की सराहना की गई।

बवानीखेड़ा। बीके शिक्षण महाविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थितजन।

कन्या स्कूल में पक्षियों के लिए रखे सकोरे

- छात्राओं ने गर्मी के मौसम में पानी डालकर पेड़-पौधों को झुलसने से बचाया : शिक्षक

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

दिनोद के राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में शिक्षा विभाग हरियाणा के निर्देशानुसार एवं प्राचार्या सीमा कुमारी के मार्गदर्शन में नई पहल की। स्कूल की प्रवक्ता सरिता आर्य व पर्यावरण प्रेमी शिक्षक लक्ष्मण गौड़ के नेतृत्व में छात्राओं ने भीषण गर्मी के मौसम में पक्षियों के लिए पानी के भरकर सकोरे रखे। इस दौरान छात्राओं ने स्कूल परिसर में लगे पेड़ पौधों में भी पानी डाला, ताकि गर्मी में पौधों को नुकसान न हो। प्रवक्ता सरिता व शिक्षक लक्ष्मण गौड़ ने छात्राओं को भारत के भौगोलिक संरचना, सांस्कृतिक विरासत एवं गौरवशाली इतिहास की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भारत प्राचीन समय में शिक्षा के क्षेत्र में विश्व गुरू था। प्राचीन समय से ही तक्षशीला नालंदा व विक्रमशिला जैसे विश्वविद्यालय स्थापित थे, जिनमें विदेशों से बच्चे पढ़ने के लिए आते थे। विश्वविद्यालयों में ग्रंथ, वैदिक साहित्य, वेद,उपनिषद, रामायण व गीता जैसे ग्रंथों को पूरे विश्व में पढ़ा जाता है।

भिवानी। पक्षियों के लिए सकोरे लगाकर पानी डालते शिक्षक व छात्राएं।

पर्यावरण जरूरी

विद्यार्थियों को इतिहास के साथ-साथ पर्यावरण सुधार, स्वच्छता, पौधरोपण व भीषण गर्मी के मौसम में अपने घरों की छतों पर पक्षियों के संरक्षण सकोरे रखने के प्रति जागरूक किया। उन्होंने छात्राओं को आह्वान किया कि गर्मी के मौसम में मनुष्य का हाल बेहाल हैं, ऐसे में पशु पक्षियों के लिए तो और भी गंभीर समस्या हैं, जो पानी के अभाव में अकाल मौत का शिकार हो जाते हैं। ईको क्लब की इंचार्ज सरिता आर्य व लक्ष्मण गौड़ ने छात्राओं के साथ मिलकर पेड़ों पर 11 सकोरे रखे एवं दाना-पानी का प्रबंध भी किया। उन्होंने सभी को अपने घरों व आस-पास क्षेत्र में सकोरे रखने को प्रेरित किया।

विद्यार्थियों ने स्केटिंग व कराटों के गुर सीखे

- नृत्य, संगीत व कुकिंग विद आउट फायर एक्टिविटी में लिया भाग

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

लिटिल हार्टस कान्वेन्ट स्कूल में सभी कक्षाओं के समर कैम्प का बड़े ही शानदार ढंग से आयोजन किया, जिसके अंतर्गत प्ले ग्रुप से लेकर तृतीय कक्षा के विद्यार्थियों की अनेक गतिविधियां करवाई। विद्यालय के महासचिव संजय गोयल, एमडी पवन गोयल व भावना गोयल ने बताया कि नन्हे-मुन्हे बच्चों ने पुरे उत्साह व आनन्द के साथ समर कैम्प में हिस्सा लिया व एक से बढ़कर एक अपनी उत्कृष्ट प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कैंप में प्ले ग्रुप से तृतीय कक्षा के विद्यार्थियों की भजन गायन, संगीत कक्षा, नृत्य कक्षा, जुम्बा कक्षा, आर्ट एंड क्राफ्ट, स्केटिंग, कराटे कक्षा, साइंस एक्सपेरीमेंटस, स्पेस मुवीज, कुकिंग विद आउट फायर, बैग मैनेजमैन्ट, शु लेस टाईंग विभिन्न प्रकार की दौड़ व इंडोर गेम्स का आयोजन किया, जिसमें सभी बच्चों ने अपनी प्रतिभा के जौहर दिखाए। विद्यालय की निदेशिका ऐश्वर्या सिंघल, निदेशक रामानंद सिंघल, राहुल गोयल, विनय गोयल, निश्चल गोयल व साक्षी गोयल ने बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए उनकी अनुठी प्रतिभा की सराहना की व अत्याधिक गर्मी के मद्देनजर विद्यार्थियों के स्वास्थ्य का ध्यान रखा।

भिवानी। कराटे का प्रशिक्षण लेते विद्यार्थी। फोटो: हरिभूमि

ये रहे मौजूद

आयोजन करवाने का उद्देश्य विद्यार्थियों की चहुंमुखी प्रतिभा का विकास करना है। कैम्प में विद्यार्थियों ने अपनी रूचि के हिसाब से पूरे उत्साह के साथ हिस्सा लिया व अंत में आइसक्रीम पार्टी के साथ कैम्प का सफलतापूर्वक बड़े ही आकर्षक ढंग से समापन किया। इस मौके पर प्राचार्या वीना सेठ, को-आर्डिनेटर पुनम मस्ताना, ममता, अन्नु, ज्योति, रिटा शर्मा, रेखा, भावना, हेमलता, राखी, रीना, सुमन, सीमा आदि मौजूद रहे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर रोपे पौधे

- धरती को स्वच्छ, सुंदर और प्रदूषण मुक्त बनाना हमारी जिम्मेदारी : बंगालिया

हरिभूमि न्यूज ⏭ तोशाम

आदर्श एजुकेशन इंस्टिट्यूट कैरू के चेयरमैन आर के बंगालिया ने विश्व पर्यावरण दिवस पर बीडीसी प्रतिनिधि राजेश रंगा कैरू के साथ पौधारोपण किया। विश्व पर्यावरण को लेकर चेयरमैन आर के बंगालिया का कहना है कि स्वस्थ व खुशहाल जीवन के लिए प्रकृति के साथ जुडना जरूरी है। देश के नागरिक और धरती वासी होने के नाते हमारी यह जिम्मेदारी है कि इस धरती को स्वच्छ, सुंदर और प्रदूषण मुक्त बनाएं। एक तरफ जमीन के अंदर से पानी निकालकर हम अपना भविष्य खतरे में डाल रखे हैं वहीं दूसरी तरफ पेड़ों की लगातार कटाई के कारण धरती गर्म होती जा रही है। ऐसे में पर्यावरण को सुरक्षित रखना बेहद जरूरी है। इसमें केवल सरकार या प्रशासन ही सब कुछ नहीं बल्कि आम लोगों को भी जागरूक होना होगा और इसकी शुरूआत खुद से पौधारोपण कर करनी होगी। यदि देखा जाए तो पर्यावरण आमतौर पर पेड़ पौधों और हरियाली के संरक्षण को ही दर्शाता है। अगर आने वाली पीढ़ी को बचाना है तो पर्यावरण संरक्षण बेहद जरूरी है। उपप्रबंधक दीपक बंगालिया, उपप्राचार्य निमय बिस्वास, प्राध्यापक मोशिन उतराखंड, खेल प्रशिक्षक अजीत सिंह, सत्यप्रकाश, राहुल अभिभावक सुनील मनसरबास आदि मौजूद रहे।

तोशाम। शिक्षण संस्थान परिसर में पौधारोपित करते हुए। फोटो: हरिभूमि

29 को मनाई जाएगी कबीर जयंती

- संत कबीर जयंती पर धानक समाज की बैठक में बनाई कार्यक्रम को लेकर रुपरेखा

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

हनुमान गेट स्थित धानक पंचायती धर्मशाला में पूर्व पार्षद हंसराज खनगवाल की अध्यक्षता में बैठक हुई। बैठक में संत कबीर साहेब की 629वीं जयंती पर 29 जून भिवानी में होने वाले राज्य स्तरीय कार्यक्रम को लेकर चर्चा की। बैठक में धानक समाज के बुद्धिजीवी, राजनीतिक व सामाजिक व्यक्तियों ने भाग लिया। पूर्व पार्षद हंसराज खनगवाल ने बताया कि कबीर साहेब की जयंती पर राज्य स्तर पर होने वाले कार्यक्रम में मुख्यतिथि के रूप में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी शिरकत करेंगे।

भिवानी। संत कबीर साहेब जयंती को लेकर धानक समाज की बैठक को संबोधित करते पूर्व पार्षद हंसराज खनगवाल। फोटो: हरिभूमि

वार्डों में चलाया जाएगा अभियान

खनगवाल ने बताया कि जयंती समारोह के दौरान धानक समाज द्वारा मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का अभिनंदन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि समारोह के सफल आयोजन को लेकर जिले के प्रत्येक गांव व शहर के सभी वार्डों में जनसंपर्क अभियान चलाया जाएग और 36 बिरादरी के लोगों को जयंती समारोह के लिए आमंत्रित किया जाएगा। मौके पर श्याम सुंदर इंदौरा, धर्मशाला के प्रधान फतेहसिंह खनगवाल, केदारनाथ सोलंकी, अनिल कुमार, किरोड़ी खनगवाल, राजेन्द्र, श्रीनिवास टोनी, नरेश खनगवाल, ईश्वरसिंह कायत, महेन्द्र सिंह, सतीश, प्रकाश बागड़ी, तिवाड़ी, सुनील सोलंकी, महेन्द्र सिंह आदि रहे।

पौधरोपण विश्व पर्यावरण दिवस पर संस्थाओं ने लिया रिकॉर्ड पौधरोपण का संकल्प

प्रकृति का ऋण चुकाने का समय आ गया है हमारा असली लक्ष्य पौधे बचाना : के के वर्मा

- बाल सेवा आश्रम के परिसर में लगाए 50 पौधे

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में भिवानी में पर्यावरण संरक्षण को लेकर एक नई अलख जगती दिखाई दी। बाल सेवा आश्रम समिति एवं भिवानी पर्यावरण शुद्धिकरण समिति के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित भव्य कार्यक्रम में शहर की तमाम सामाजिक और धार्मिक संस्थाओं ने एकजुट होकर प्रकृति को हरा-भरा बनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम की शुरुआत आश्रम के बच्चों और गणमान्य नागरिकों द्वारा किए गए वैदिक यज्ञ से हुई, जिसके बाद परिसर में 50 पौधे रोपित किए गए। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष शंकर धूपड़ ने कहा कि शिक्षा बोर्ड का विशाल प्रांगण पर्यावरण संरक्षण के कार्यों के लिए हमेशा खुला है।

भिवानी। पर्यावरण दिवस पर पौधे रोपित करते हुए। फोटो: हरिभूमि

पर्यावरण संरक्षण के उपकरणों की लगाई प्रदर्शनी

कार्यक्रम के मुख्य सूत्रधार और भिवानी पर्यावरण शुद्धिकरण समिति के संयोजक के.के. वर्मा ने इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण से जुड़े आधुनिक उपकरणों की एक सराहनीय प्रदर्शनी भी लगाई। आश्रम के अध्यक्ष वेद प्रिय आर्य एवं के.के. वर्मा ने कहा कि आज का यह आयोजन सिर्फ एक दिन का उत्सव नहीं है, बल्कि भिवानी को प्रदूषण मुक्त और हरा-भरा बनाने के एक महा-अभियान की शुरुआत है। हम भाग्यशाली हैं कि आज भारत स्वाभिमान पतंजलि योग समिति, विवेकानंद केंद्र, स्वदेशी जागरण मंच, और प्रजापिता ब्रह्माकुमारी सहित शहर की तमाम शीर्ष संस्थाएं एक मंच पर आई। अब समय आ गया है कि हम प्रकृति का ऋण चुकाएं। हमारा असली लक्ष्य केवल पौधे लगाना नहीं, बल्कि पौधे बचाना है।

खबर संक्षेप

भीम स्टेडियम में जूडो चयन प्रतियोगिता आज

भिवानी। भीम स्टेडियम में सात जून को राज्य स्तरीय चयन प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। चयनित खिलाड़ी चण्डीगढ़ में 10 से 13 जून तक होने वाली नेशनल कैडेट जूडो प्रतियोगिता में भाग लेंगे। एसो. के जिला महासचिव व प्रदेश उपाध्यक्ष कोच अजीत बामला ने बताया कि चयन प्रतियोगिता में लड़कों में 50, 55, 60, 66, 73, 81, 90 व 90 से अधिक किलोग्राम भार वर्ग तथा लड़कियों में 40, 44, 48, 52, 57, 63, 70 व 70 से अधिक किलोग्राम भारवर्ग वाली महिला खिलाड़ी भाग ले सकती हैं।

युवक से 9.55 ग्राम हेरोइन बरामद, दो आरोपी पकड़े

चरखी दादरी। नशा तस्करों पर नकेल कसते हुए सीआईए स्टाफ चरखी दादरी ने युवक से 9.55 ग्राम हेरोइन (चिट्टा) बरामद मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि वीरवार सांय सीआईए स्टाफ की टीम ने सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचकर निगरानी शुरू की। पुलिस टीम को देखकर युवक मौके से भागने का प्रयास करने लगा, जिसे पुलिस कर्मियों ने तत्परता दिखाते हुए काबू कर लिया। आरोपी की पहचान नितिन छपार के रूप में हुई। तलाशी के दौरान आरोपी से 9.55 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। शनिवार को सीआईए स्टाफ ने इसी मामले में नितिन निवासी छपार व राजेश मंदोला को गिरफ्तार कर लिया।

खुले दरबार में सबसे अधिक समस्याएं पीने के पानी की आईं

घर-घर जाकर अधिकारी जांचेंगे पानी की सप्लाई

पेयजल की शिकायतों पर विधायक ने अधिकारियों को फटकार लगाई

खुले दरबार में कुछ इलाकों में सीवरेज व्यवस्था बदहाल होने, कई जगहों पर लटकते बिजली के तार व कच्ची गलियों की वजह से भारी परेशानी की समस्याएं भी लोगों ने उठाई।

भिवानी। ढाणा रोड पर आयोजित खुले दरबार में लोगों की समस्याएं सुनकर समाधान करवाते हुए। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

शनिवार को कोंट रोड, ढाणा रोड पर विधायक घनश्याम सर्राफ व नप चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह की अगुवाई में आयोजित खुले दरबार में पीने के पानी की समस्याएं गूंजी। खुले दरबार में पार्षद करमबीर यादव और पूर्व पार्षद प्रवीण खनगवाल द्वारा रखीं समस्याओं में बिजली के लटकते तार व कच्ची गलियों को पक्का करवाने की मांग उठी। पीने के पानी की ज्यादा समस्या आते ही विधायक घनश्याम सर्राफ पब्लिक हेल्थ विभाग के अधिकारियों को हड़काया। अधिकारी सोमवार से हर घर में पानी की सप्लाई पहुंचने की जांच करें।

शनिवार को ढाणा रोड पर नगरपरिषद द्वारा लोगों की समस्याओं का निराकरण करने के लिए खुले दरबार का आयोजन किया गया। जिसमें विधायक घनश्याम सर्राफ व नप चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह ने लोगों की समस्याएं सुनी। इस दौरान खुले दरबार में सबसे ज्यादा पीने का पानी नही पहुंचने की शिकायत आईं। इनके अलावा कुछ इलाकों में सीवरेज व्यवस्था बदहाल होने, कई जगहों पर लटकते बिजली के तार व कच्ची गलियों की वजह से भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। इस पर विधायक ने पब्लिक हेल्थ के अधिकारियों को सोमवार से उक्त इलाके के हर घर में जाकर यह जांच पड़ताल करने के निर्देश दिए कि सप्लाई पहुंच रही है या नहीं। इन सभी चीजों की जांच पड़ताल करके सूची तैयार की जाए। साथ ही इन घरों तक पानी पहुंचाने की पूरी व्यवस्था हो। ताकि लोगों को पीने के पानी के लिए दर दर न भटकना पड़े। कई लोगों ने सीवर के जाम होने की समस्या बताई। जिसका भी जल्द समाधान करवाए जाने का भरोसा दिलाया।

गलियों में चबूतरे निकालने से होते है रास्ते तंग : भवानी प्रताप

नप चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह ने बताया कि शहर में कोई भी गली कच्ची नहीं रहेगी। प्राथमिकता के आधार पर गलियों का निर्माण करवाया जा रहा है। ढाणा रोड व कोंट रोड(वार्ड संख्या 12,13,14) में कोई भी गली कच्ची नहीं बचेगी। सभी गलियों के पक्का होने के बाद शहर की सुंदरता को पंख लग जाएंगे। साथ ही उन्होंने शहर के लोगों से गुजारिश की कि कोई भी व्यक्ति अपने मकान के आगे रैम्प या चबुतरा न बनाए। इससे रास्ते तंग हो जाते है। तंग रास्तों से लोगों को अनेक तरह की परेशानी आती है। बाद में लोगों की शिकायत के बाद उनको तोड़ने का अभियान चलाना पड़ता है।

नहीं रहेगी पानी व सीवर की समस्या: सर्राफ

विधायक घनश्याम सर्राफ ने लोगों को भरोसा दिलाया कि इन इलाकों में पीने के पानी तथा सीवर के जाम होने की समस्या नहीं बचेगी। इसके लिए सभी अधिकारियों को दिशा निर्देश जारी कर दिए है। उन्होंने बताया कि सप्लाई से जुड़े कुछ अधिकारी पानी की सप्लाई देने में कोताही बरतते है। जिस वजह से क्षेत्र में सप्लाई गडबड़ाती है। अब उनको इस बारे में कड़े निर्देश दिए गए है। कोई भी लापरवाही की तो उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

हर गली होगी पक्की

तीनों वार्डो में अनेक जगहों पर गलियां कच्ची होने की शिकायत की। जिस पर नप चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह ने भरोसा दिलाया कि तीन माह के भीतर शहर में कोई गली कच्ची नहीं बचेगी। अगर किसी इलाके की कोई गली कच्ची है तो वे उनको बताएं। तत्काल उन गलियों को पक्का करवाए जाने का कार्य शुरू होगा।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर पार्षद कर्मबीर यादव , पूर्व पार्षद प्रवीण खनगवाल, राजू मेहरा,बलबीर इतक़ान , प्यारेला , सुनील क़ायत , रामनिवास , रामचन्द्र आदि उपस्थित रहे।

कुछ महीने पहले हुआ था विवाद

मेन बाजार में नुकीली चीज से युवक पर किया हमला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहल

लोगों ने घायल युवक को संभाला और उसे उपचार के लिए हिसार ले गए

कस्बे में बहल भिवानी रोड पर मैन बाजार में हुई आपराधिक वारदात में एक युवक ने दूसरे युवक की गर्दन में चाकू जैसी नुकीली चीज से वार कर दिया। घटना में युवक लहूलुहान हो गया और उसे उपचार के लिए हिसार ले जाया गया। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी युवक मौके से फरार हो गया। दिनदहाड़े हुई इस जानलेवा वारदात से लोग बुरी तरह से सहम गए।

सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों से घटना की जानकारी ली। पुलिस घायल युवक के बयान लेने के लिए हिसार गई है। सूत्रों के अनुसार, शनिवार को हुई घटना दोनों युवकों के बीच किसी पुरानी रंजिश का नतीजा था। बताया जाता है कि कुछ महीने पहले भी दोनों युवकों के बीच विवाद हुआ था। शनिवार को सुबह करीब नौ बजे एक युवक मैन बाजार में खड़ा किसी से बात कर रहा था। इतनी ही देर में पीछे से आए एक युवक ने उसकी गर्दन में चाकू जैसी नुकीली चीज से वार कर दिया, जिससे वह लहूलुहान हो गया। लोगों ने घायल युवक को संभाला और उसे हिसार ले जाया गया। पुलिस प्रभारी प्रवीण कुमार ने बताया कि पुलिस घायल युवक के बयान लेने के लिए हिसार गई हुई है।

दस दिन में हुई दूसरी आपराधिक वारदात के बाद कस्बे में दहशत का माहौल है। लोगों ने सोशल मीडिया पर बढ़ रही अपराधिक घटनाओं के बारे में लोगों से चिंतन करने व एकजुट होकर प्रशासन से इन पर रोक लगाने की मांग की है। लोगों ने कहा कि ऐसी घटनाओं से आम आदमी की सुरक्षा खतरे में हैं। गौरतलब है कि पिछली 24 जून को भी कस्बे के प्रदीप नामक युवक को कुछ युवक अपने साथ गाड़ी में बैठाकर ले गए थे और बाद में मारपीट कर उसे रेलवे लाइन पर डाल गए थे। पुलिस ने मामले में छह लोगों को गिरफ्तार किया है।

आरोपी ने शुरू में कुछ पशुओं की पेमेंट नकद देकर जीता विश्वास

उधार में खरीद लिए 19.20 लाख के पशु, पैसे मांगने पर दी धमकी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहल

हसान निवासी एक डेयरी संचालक से कुछ लोगों ने पशु 19 लाख 20 हजार रुपये कीमत के पशु खरीद लिए, पर उसका भुगतान नहीं किया। पैसे मांगने पर डेयरी संचालक को उक्त लोगों ने जान से मारने की धमकी भी दी।

पुलिस को दी शिकायत में गांव हसान निवासी संदीप ने बताया कि वह अपने खेत में डेयरी चलाने के साथ-साथ भैंसों के खरीद-फरोख्त का कार्य भी करता है। 21 फरवरी 2026 को उसकी मुलाकात रोहताश नैन से हुई थी। उस दौरान रोहताश ने स्वयं को भैंसों के कारोबार से जुड़ा व्यक्ति बताते हुए पशुओं की खरीद में रुचि दिखाई। बाद में दोनों के बीच लगातार बातचीत होने लगी और रोहताश नैन ने पशुओं की वीडियो भेजने के लिए कहा। 25 फरवरी 2026 को रोहताश नैन उसके घर पहुंचा और कुछ भैंसें खरीदने का सौदा किया। उस समय रोहताश ने कहा कि वह पशुओं को आगे बेचकर 15 दिन के भीतर भुगतान कर देगा। जब शिकायतकर्ता ने किसी जमानती की मांग की तो रोहताश ने अपने साले संदीप निवासी ईश्वरवाल की गारंटी दिलवाई। बाद में किसान डेयरी रोड मोड़ पर हुई मुलाकात में संदीप ने भी रोहताश की जिम्मेदारी लेते हुए भुगतान की गारंटी दी।

शिकायत के अनुसार रोहताश नैन ने शुरुआत में दो भैंसों का सौदा 2.82 लाख रुपये में किया तथा कुछ राशि नकद और ऑनलाइन माध्यम से भेजकर शिकायतकर्ता का विश्वास जीत लिया। इसके बाद वह लगातार भैंसों और गायों की वीडियो मंगवाता रहा और पसंद आने पर अपने ड्राइवर के माध्यम से पशुओं को उठवाता रहा। डेयरी संचालक का आरोप है कि 13 मार्च तक उसके द्वारा भेजे गए पशुओं की कुल कीमत 12 लाख 57 हजार 900 रुपये हो चुकी थी, जबकि उसे केवल 4 लाख 78 हजार रुपये ही प्राप्त हुए थे। रोहताश भुगतान में देरी के लिए कभी दुर्घटना होने का बहाना बनाया तो कभी दो-तीन दिन में पैसे देने का आश्वासन देता रहा। आरोप है कि 14 मार्च को छह भैंसें करीब 9.82 लाख रुपये में तथा 25 मार्च को सात अन्य भैंसें मंगवाई गईं।

शिकायतकर्ता के मुताबिक बार-बार भुगतान मांगने पर आरोपी फोन उठाने से बचते रहे। बाद में 15 अप्रैल 2026 को व्हाट्सएप कॉल के माध्यम से उसे जान से मारने की धमकी दी गई। शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया कि आरोपियों ने विश्वास में लेकर उससे कुल 19 लाख 20 हजार रुपये मूल्य की भैंसें खरीदीं। लेकिन पूरी रकम का भुगतान नहीं किया। पुलिस प्रभारी प्रवीन कुमार ने बताया कि पुलिस ने नामजद रोहताश नैन, संदीप और नितेश नैन के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है।

तोशाम। वाटर कूलर भेंट करते हुए। फोटो : हरिभूमि

कल्याण जल के 12 वर्ष पूर्ण होने पर लेघा बस स्टैंड पर वाटर कूलर लगाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तोशाम

सुनील लेघा ने ग्राम पंचायत सदस्यों व युवाओ के साथ मिलकर रिबन काटा

गांव लेघा भानान स्थित बस स्टैंड पर कल्याण जल के 12 वर्ष पूरे होने पर कल्याण ग्रुप के चैयरमेन व प्रमुख समाजसेवी सुनील लेघा ने बस स्टैंड पर वाटर कूलर लगाया। शुक्रवार को सुनील ने ग्राम पंचायत सदस्यों व युवाओ के साथ मिलकर रिबन काटा व नारियल फोड़कर ठंडे पानी कि छबील लगाकर शुभारंभ किया और राहगीरियों व यात्रियों को मीठा पानी पिलाया। इस अवसर पर गांव के सरपंच अशोक कुमार व पूर्व सरपंच श्याम सुंदर ने बताया कि कल्याण ग्रुप क्षेत्र में स्वच्छ जल संरक्षण एवं स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के लिए प्रयासरत है। गर्मी के मौसम में पानी की अधिक जरूरत होती है इसी की ओर ध्यान करते हुए वाटर कूलर लगाकर धर्म कमाया है। उनका पूरा परिवार संत निरंकारी मिशन से जुड़ा हुआ है निष्काम व निरच्छित सेवा भाव से समाज को अच्छी देन दे रहा है। इस मौके पर तेजभान निरंकारी, रामवीर, बीरसिंह, हसराम यादव, मनोज, रामफल, धर्मवीर, विजय शर्मा, राजकपूर, बलवीर, ओमबीर आदि गणमान्य उपस्थित रहे।

वादे पूरे नहीं होने पर यूनियन ने खोला मोर्चा

■ 4 जुलाई को मंत्री श्रुति चौधरी और 18 को गंगवा के आवास का होगा घेराव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

हरियाणा गवर्नमेंट पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल वर्कर्स यूनियन (रजि. नं. 41, मुख्यालय चरखी दादरी) से संबंधित सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा की आईबी निगाना सिविल ब्रांच की बैठक शनिवार को सांगवान पंप हाउस, निगाना फीडर पर आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता ब्रांच प्रधान जगदीप फौगाट ने की, जबकि मंच संचालन ब्रांच सचिव प्रीतम बापोड़ा ने किया।

मुख्य वक्ता जिला सचिव सोमबीर पालूवास और जिला उपप्रधान रामशरण खुंडिया ने कर्मचारियों के साथ आगामी आंदोलन की रणनीति साझा की। सोमबीर पालूवास ने कहा कि 24 नवंबर 2025 को चंडीगढ़ में सिंचाई एवं जल संसाधन मंत्री श्रुति चौधरी के साथ हुई बैठक में कर्मचारियों की कई मांगों और समस्याओं पर सहमति बनी थी, लेकिन महीनों बाद भी कोई मांग लागू नहीं की गई। बैठक में सर्वसम्मति प्रस्ताव पास किया गया कि 15 और 16 जून को भिवानी जिले के सभी डीडीओ एवं एक्सईएन कार्यालयों के माध्यम से इंजीनियर-इन-चीफ के नाम ज्ञापन सौंपे जाएंगे। 4 जुलाई को मंत्री श्रुति चौधरी और 18 जुलाई को मंत्री रणबीर गंगवा के हिसार स्थित आवास के घेराव का भी ऐलान किया गया।

बवानीखेड़ा विधानसभा मतदान स्तर अधिकारियों और सुपरवाइजरों का प्रशिक्षण 10 जून से शुरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

प्रशिक्षण पंचायत भवन, भिवानी में होगा

एसआईआर कार्यक्रम के तहत निर्वाचन विभाग द्वारा विधानसभा क्षेत्र 59-बवानी खेड़ा (अजा.) से संबंधित मतदान स्तर अधिकारियों (बीएलओ) एवं सुपरवाइजरों के प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। यह प्रशिक्षण पंचायत भवन, भिवानी में होगा। एडीसी एवं 59-बवानी खेड़ा (अजा.) के निर्वाचक पंजीयन अधिकारी दीपक बाबू लाल करवा के निर्देशों के अनुसार प्रथम बैच (बूथ संख्या 01 से 50) का प्रशिक्षण 10 जून को 01 बजे से सायं 3 बजे तक होगा। द्वितीय बैच (बूथ संख्या 51 से 100) का प्रशिक्षण 11 जून को 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक तथा तृतीय बैच (बूथ संख्या 101 से 150) का प्रशिक्षण उसी दिन 01 बजे से सायं 3 बजे तक ,चतुर्थ बैच (बूथ संख्या 151 से 200) का प्रशिक्षण 12 जून को 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक तथा पांचवां बैच (बूथ संख्या 201 से 235) का प्रशिक्षण 12 जून को दोपहर 1 बजे से सायं 3 बजे तक होगा। करवा ने सभी अधिकारियों एवं सुपरवाइजरों को प्रशिक्षण में उपस्थित रहने के निर्देश दिए हैं।

लंबित मांगों को लेकर अध्यापक 9 को पंचकूला में करेंगे प्रदर्शन

भिवानी। हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ द्वारा शिक्षकों की लंबित मांगों एवं अतिथि अध्यापकों के नियमितीकरण को लेकर 9 जून को शिक्षा सदन पंचकूला पर प्रस्तावित मास डेपुटेशन कार्यक्रम को लेकर प्रदेशभर में तैयारियां तेज कर दी गई हैं। इसी कड़ी में भिवानी जिला इकाई ने भी प्रदर्शन को सफल बनाने के लिए कमर कस ली है। संघ के जिला सचिव सुमेर सिंह आर्य, जिला वरिष्ठ उपप्रधान अंजू देवी, जिला कोषाध्यक्ष अनूप सिवाच, प्रेस सचिव सुनील सूरा, सहसचिव जगमंत तथा संगठन सचिव रतन सांगवान ने संयुक्त बयान जारी करते हुए कहा कि सरकार लंबे समय से शिक्षकों और कर्मचारियों की जायज मांगों की लगातार अनदेखी कर रही है।

युवाओं ने जिले व दादरी विस क्षेत्र का बढ़ाया मान: सुनील

बीएसएफ में चयनित युवाओं को विधायक सांगवान ने दी बधाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी दादरी

चरखी दादरी जिले के गांव मानकावास एवं डोहकी के होनहार युवाओं का सीमा सुरक्षा बल में चयन होने पर विधायक सुनील सांगवान ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। शनिवार को चयनित युवा विधायक निवास पर उनसे मिलने पहुंचे, जहां विधायक सांगवान ने सभी युवाओं का उत्साहवर्धन किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

बीएसएफ में चयनित अभ्यर्थियों में तन्नू पुत्री सोमबीर, पूजा मानकावास, उज्जवल, सोनू, सोनिका डोहकी व हिमानी डोहकी शामिल हैं। इस मौके पर विधायक सांगवान ने कहा कि इन युवाओं की सफलता पूरे क्षेत्र, जिले और दादरी विधानसभा क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है। विधायक सांगवान ने दादरी विधानसभा क्षेत्र के अन्य सभी चयनित युवाओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विधायक सांगवान ने कहा कि क्षेत्र के युवा विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं और सुरक्षा बलों में चयनित होकर लगातार नए कीर्तिमान स्थापित कर रहे हैं, जो पूरे क्षेत्र के लिए गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि देश की सीमाओं की सुरक्षा का दायित्व अत्यंत सम्मानजनक और जिम्मेदारी भरा कार्य है।

उन्हें विश्वास है कि ये सभी युवा पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ राष्ट्र सेवा करते हुए अपने परिवार, गांव और जिले का नाम रोशन करेंगे। विधायक सुनील सांगवान ने चयनित युवाओं के माता-पिता एवं परिवारजनों को भी विशेष बधाई देते हुए कहा कि उनके संस्कार, त्याग और निरंतर सहयोग के बिना यह सफलता संभव नहीं थी। सांगवान ने कहा कि दादरी विधानसभा के युवा शिक्षा, खेल व रक्षा सेवाओं सहित विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर क्षेत्र का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन कर रहे हैं।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन नं. : 8814999151, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज़ पर मान्य। अन्य किसी साईज़ के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
भिवानी : हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन : 8814999170, दादरी : 9253681008

GANGA INSTITUTE OF TECHNOLOGY AND MANAGEMENT
AN AUTONOMOUS INSTITUTE
Approved by AICTE | Affiliated to MDU, Rohtak
JHAJJAR (DELHI-NCR)
NAAC A GRADE
NBA ACCREDITED BY B.TECH ME, ECE and MBA
GITAM is among the BEST ENGINEERING INSTITUTES OF THE COUNTRY !
RANKED #16 In North India
RANKED #38 Pvt. Institutes in India
RANKED #39 Across India
RANKED #46 Placement Across India
Industry Oriented Curriculum
Degree Conferred by MDU, Rohtak
Times Engineering Institute Ranking Survey-2026
ADMISSIONS OPEN 2026-27
B.TECH B.TECH (LEET)
Fire Technology and Safety
CSE, CSE (AI & ML), CSE (DS)
ECE, Electrical
Civil, Mechanical
OTHER UG & PG COURSES
M.TECH | MBA | BBA | MCA
BCA | M.ARCH | B.ARCH
M.PLAN | M.ED | B.ED
COURSES FOR WORKING PROFESSIONALS (in Flexible Timings)
B.TECH
Fire Tech. & Safety / CSE/ Electrical/Civil
M.TECH
CSE / Structural Design
MBA | MCA
For Admission Enquiry
8684000891 / 892 / 893 / 906 / 9654292946
www.gangainstitute.com
GANGA GROUP OF INSTITUTIONS
Approved by AICTE/UGC/NCTE/COA/MDU
GANGA INSTITUTE OF ARCHITECTURE & TOWN PLANNING (GIATP)
9654292905 / 9015115120 | www.architectureganga.com
GANGA INSTITUTE OF EDUCATION (GIE)
8684000916 | www.gangainstituteofeducation.com
Head Office: 4/12, East Punjabi Bagh, New Delhi | +91-9654292902, 03, 04

फीफा वर्ल्ड कप 2026
रोमांच-जुनून का ग्रैंड इवेंट

48 देशों के 1248 खिलाड़ी, फीफा वर्ल्ड कप-2026 को हासिल करने के लिए आगामी 11 जून से 19 जुलाई तक एक-दूसरे से मुकाबला करेंगे। इस दौरान सिर्फ आयोजक देशों में ही नहीं पूरी दुनिया में रोमांच और जुनून का सुरूर छाया रहेगा। इस ग्रैंड ग्लोबल स्पोर्ट इवेंट में इस बार क्या कुछ होगा खास, क्या होगा पहली बार, इसके तमाम पहलुओं पर एक नजर।

कवर स्टोरी

साशा

इसी सप्ताह 11 जून से फुटबॉल के सबसे बड़े अंतरराष्ट्रीय आयोजन फीफा वर्ल्ड कप का आगाज हो रहा है, जो 19 जुलाई 2026 तक चलेगा। 11 जून से 19 जुलाई 2026 के बीच दुनिया फुटबॉल के रंग में रंगी रहेगी। भले भारत की फुटबॉल टीम अब तक के बेस्ट 48 टीमों वाले विश्व कप का हिस्सा न हो, लेकिन भारत भी इस जुनून का हिस्सा होगा। भारत में इस दौरान तूफानी दिन नहीं रातें होंगी, क्योंकि अमेरिका और लैटिन अमेरिका में फीफा वर्ल्ड कप के मैच जब खेले जाएंगे, उस समय भारत में दिन नहीं रात होगी।

दिखेगा खेलप्रेमियों का उमंग

फुटबॉल के इस विश्व कप को लेकर पूरी दुनिया में गहमा-गहमी अपने चरम पर पहुंच चुकी है। क्योंकि फुटबॉल के तूफान का रिश्ता सिर्फ खेल भर से नहीं होता, वैश्विक राजनीति, अर्थव्यवस्था, संचार, तकनीक, वैश्वीकरण, पर्यटन आदि से भी इसका उतना ही संबंध होता है, जितना खेल से। यही कारण है कि दुनिया की धड़कनें फुटबॉल को लेकर बहुत तेज हो चुकी हैं। आने वाले दिनों में स्टेडियमों की रोशनी आसमान को बार-बार चमकाती दिखाई देगी। सड़कों पर रात-रात भर जश्न होगा। करोड़ों और कई बार तो अरबों लोग एक साथ टीवी स्क्रीन से चिपके होंगे।

जुनून का महाविस्फोट

केवल रियल वर्ल्ड में ही नहीं सोशल मीडिया पर भी आगामी दिनों में हर दिन नया इतिहास लिखा जाएगा और ऐसा हो भी क्यों न? दुनिया का सबसे बड़ा खेल महाकुंभ के आयोजन में ऐसा होना स्वाभाविक ही है। जानकार जानते हैं कि यह सिर्फ फुटबॉल के रोमांच की उमंग भर नहीं होगी, इसमें शामिल होंगे भावनाओं के ज्वार-भाटे, राष्ट्रवाद, तकनीक, अरबों डॉलर का कारोबार, इस सबके चलते ग्लैमर और जुनून का महाविस्फोट साबित होगा 2026 का फीफा वर्ल्ड कप।

तीन देशों में होगा आयोजन

शायद यह अकेली ऐसी खेल घटना होगी, जिसकी गूंज इस वर्ल्ड कप के दौरान दुनिया के हर कोने में सुनी जाएगी। इस बार तो ऐसा इसलिए भी है, क्योंकि आज तक कभी भी 48 फुटबॉल टीमें एक साथ विश्व कप को जीतने मैदान में नहीं उतरी थीं। सिर्फ यही इस महाकुंभ की खासियत नहीं होगी बल्कि पहली बार इस खेल महाकुंभ का आयोजक कोई एक देश या दो देश नहीं बल्कि तीन देश होंगे। जी हां, जून 2026 से शुरू हो रहे फीफा वर्ल्ड कप फुटबॉल के मेजबान अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको होंगे यानी सही मायनों में यह रोमांच का ग्लोबल कर्निवाल होगा।

होंगे नए मेगा ग्लोबल एक्सपीरियंस

आकार में यह फुटबॉल विश्व कप अब तक सबसे बड़ा आयोजन होगा, क्योंकि इसमें 48 टीमें भाग ले रही हैं, जिनके 104 मुकाबले होंगे। इसके हर मुकाबले को देखने के लिए लाखों दर्शक स्टेडियमों में और करोड़ों टीवी स्क्रीन से सटे होंगे। अरबों लोग इसे डिजिटल प्लेटफॉर्म पर फॉलो करेंगे और हां, इस बार के फुटबॉल विश्व कप को जितने विज्ञापन मिले हैं और जितनी स्पोंसरशिप इस कप को मिली है, उतने विज्ञापन और स्पोंसरशिप आजतक दुनिया के किसी भी बड़े से बड़े टूर्नामेंट को नसीब नहीं हुए।

यह सचमुच फीफा के इतिहास का मेगा ग्लोबल एक्सपीरियंस होगा। यह ऐसा विश्व कप होगा, जिसमें एआई आधारित कैमरे, रियल टाइम डेटा एनालिसिस, स्मार्ट स्टेडियम और अत्याधुनिक प्रसारण तकनीक बड़े पैमाने पर इस्तेमाल होगी यानी दर्शक सिर्फ मैच नहीं देखेंगे डिजिटल फुटबॉल के रोमांच से भी दो-चार होंगे। शायद इसलिए अब कहा जा रहा है फुटबॉल खेल नहीं, अब यह एक विश्व संस्कृति बन चुकी है और ऐसा हो भी क्यों न, फुटबॉल के अलावा और भला कौन-सा ऐसा खेल है, जो अमीर-गरीब, भाषा-धर्म और सीमाओं से उठकर लोगों को जोड़ देता है। ब्राजील की गलियों से लेकर अफ्रीका के गांवों तक यूरोप के पबों से लेकर भारत के कस्बों तक इस आगामी एक महीने तक हर जगह फुटबॉल का यह जुनून दिखेगा।

इकोनॉमी को मिलेगा बूम

इस बार का विश्व कप अरबों डॉलर फुटबॉल इकोनॉमी का मॉडल भी होगा यानी, यह केवल खेल नहीं बल्कि विशाल आर्थिक इंजन भी होगा। विशेषज्ञों के मुताबिक 2026 का फुटबॉल विश्व कप पर्यटन उद्योग, होटल व्यवसाय, एयरलाइंस, विज्ञापन, स्पोर्ट्स मर्चेंनडाइज और डिजिटल स्ट्रीमिंग में रिकॉर्ड कारोबार पैदा करेगा।

भारत में भी बढ़ रही दीवानगी

खुशी की बात यह है कि भारत में भी फुटबॉल करवट ले रहा है। पिछले दशक में फुटबॉल का जुनून तेजी से बढ़ा है। इंडियन सुपर लीग और यूरोपीय क्लब फुटबॉल की लोकप्रियता में युवाओं में इस खेल को लेकर एक नई तरह की दीवानगी पैदा हुई है। केरल, पश्चिम बंगाल, गोवा और उत्तर-पूर्व के राज्यों में तो विश्व कप के दौरान किसी त्योहार के माफिक माहौल हो जाता है।

कई गांवों में तो ब्राजील और अर्जेंटीना के झंडे तक दिखाई देते हैं। यह राष्ट्रवाद के साथ कोई विश्वासघात नहीं बल्कि फुटबॉल के जुनून का नशा है। इस दौरान भारत में भी पूरे समय फुटबॉल का जुनून देखने को मिलेगा। दर्शकों और डिजिटल व्यूअरशिप की एक महाशक्ति है अपना देश, इस लिहाज से भारत भी इस विश्व कप का बड़ा और अंतरंग हिस्सा होगा। *

रोनाल्डो का होगा आखिरी वर्ल्ड कप!

2022 के फुटबॉल विश्व कप को लोगों ने लियोनेल मैसी के जादू के रूप में याद रखा। लेकिन 2026 का विश्व कप शायद नई पीढ़ी के उदय का मंच होगा। यह वह महाकुंभ होगा, जहां नई पीढ़ी अपने आगाज का शंखनाद करेगी और इस बार दुनिया की नजरें खासतौर पर इन खिलाड़ियों पर रहेंगी- क्यालियन मबापे, जूड बेलिंघम, एर्लिंग हालैंड और विनीसियस जूनियर। फुटबॉल के जानकार मान रहे हैं कि 2026 का फीफा विश्व कप पोस्ट मैसी-रोनाल्डो युग की असली शुरुआत होगा। हालांकि करोड़ों प्रशंसकों की उम्मीद है कि क्रिस्टियानो रोनाल्डो आखिरी बार विश्व कप में दिखेंगे। इन पंक्तियों के लिखे जाने तक यह सौ फीसदी उम्मीद है कि रोनाल्डो अपना आखिरी विश्व कप खेलेंगे, जो कि संभवतः उनके करियर का आखिरी वर्ल्ड कप होगा। उनके होने की अभी तक उम्मीद इसलिए बरकरार है, क्योंकि वह लगातार पुर्तगाल की टीम का हिस्सा बने हुए हैं और पुर्तगाल ने विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर लिया है। हाल में ईफा नेशनल लीग में भी रोनाल्डो ने शानदार प्रदर्शन किया है। इससे भी उनके होने की उम्मीद बनती है और ऐसा हुआ तो वह रिकॉर्ड छठा फीफा वर्ल्ड कप खेलेंगे। इसके पहले वह 2006, 2010, 2014, 2018 और 2022 का विश्व कप भी खेल चुके हैं। तो उम्मीद करिए कि यह रोनाल्डो की अंतिम महान यात्रा हो। पुर्तगाल के कप्तान ब्रूनो फर्नांडिस ने भी कहा है कि टीम रोनाल्डो को विश्व कप ट्रॉफी देकर विदा करेगी। दो दशकों से अधिक से रोनाल्डो इस महान खेल का हिस्स हैं, उन्होंने खेल से मिलने वाली लगभग हर चीज हासिल कर ली है। विभिन्न देशों के लीग खिताब, चैंपियंस लीग, बैलोन डि'ओर, अंतरराष्ट्रीय रिकॉर्ड और एक ऐसा करियर जो 25वें सीजन तक फैला हुआ है और एक हजार गोलों की ओर बढ़ रहा है।

कविता

पुरुषोत्तम व्यास

पारिजात के फूल

बड़ा अजीब-सा महसूस करता
जब से उनके बारे में
जान पाया
निशा में खिलते
भोर में जाते झर
लगता
निशा में कोई उनसे अनुराग भरी
बातें करता होगा
सुबह फिर मिलने का वादा कर
चला जाता होगा
उसी प्रेम की याद में झर जाते होंगे
फिर भी
खिले-खिले मनभावन ख़ुशबू लेकर
स्वर्ग लोक के फूल।

लघुकथा / संजीव ठाकुर

दुकानदार

एआई इमेज

वह कपड़ों की दुकान थी, जिसमें ज्यादातर पुरुषों के लिए पैंट और शर्ट के कपड़े मिलते थे। एक ग्राहक अकसर उस दुकान पर आया करता था। एक बार जब वह अपने लिए पैंट-शर्ट के कपड़े खरीद चुका, दुकानदार बोला, 'और कुछ चाहिए सर? हमारे यहां ओढ़ने-बिछाने की चादरें भी मिलती हैं। आप देखना चाहेंगे? शहर की किसी भी दुकान की तुलना में यहां चादरें आपको सस्ती पड़ेंगी! डबल बेड की चादरें दिखाऊं?' ग्राहक बहुत दिनों से ओढ़ने की चादरें लेना चाह रहा था, लेकिन उसे ढंग की चादरें नहीं मिल रही थीं। वह बोला, 'डबल बेड की तो रहने दीजिए, ओढ़ने की दिखाइए।' दुकानदार ने अपने स्टाफ से चादरें मंगवाईं और चादरों की तारीफ करते हुए ग्राहक को दिखाने लगा, 'देखिए, इसकी क्वालिटी देखिए-ए वन!' ग्राहक ने सिंगल कलर की चादरें लेने की सोच रखी थी, लेकिन चादर के एक ओर डिजाइन बना देखकर उसका मन डोलने लगा। उसने दुकानदार से कहा, 'यह तो मुझे ओढ़ने की नहीं बिछाने की चादर लग रही है!'

'नहीं सर, ओढ़ने की ही है। ये देखिए, इसके चारों किनारों को किस तरह सिला गया है?' ग्राहक का मन डोल ही रहा था कि दुकानदार ने चादरों की कीमत बता दी, 'सिर्फ साढ़े चार सौ में दो चादरें हैं सर!' चादरों की कीमत सुनकर ग्राहक को सुखद आश्चर्य हुआ। सचमुच इतनी कम कीमत में चादरों का मिलना मुश्किल था। उसने दुकानदार से पचास रुपए कम करवाकर चादरें ले लीं। कुछ महीनों बाद उसी ग्राहक को बिछाने की चादरों की दरकार हुई। वह उसी दुकान पर पहुंच गया। डबल बेड की दो चादरें लेने के बाद उसने सिंगल बेड पर बिछाने की चादरें दिखाने को कहा। दुकानदार ने चादरें मंगवाईं। ग्राहक उन्हें देखते ही बोला, 'ये बिछाने की हैं? पिछली बार तो आपने इसे ओढ़ने की कहकर मुझे दिया था?' 'ये चीज ही ऐसी है सर कि इसे ओढ़ने, बिछाने, दोनों कामों में लाया जा सकता है।' दुकानदार ने कहा और अपनी खीसें निपोर दीं! *

व्यंग्य / विनोद कुमार विक्की

कैमरा ऑन, स्माइल प्लीज!

अगली बार जब कोई कहे 'स्माइल प्लीज', तो समझ जाइए आपको कोई खुशी नहीं दी जा रही, आपकी 'छवि' ली जा रही है। आप खुश हों या न हों, अगर कैमरा सामने ऑन हो तो मुस्कुराना ही होगा।

गहन शोध, आधे-अधूरे निष्कर्ष और पूरे आत्मविश्वास के साथ यह सनसनीखेज खुलासा हुआ है कि एक फिल्म का लोकप्रिय गीत 'मुस्कुराने की वजह तुम हो' वाला 'तुम' कोई इंसानी काया नहीं, बल्कि एक प्रभावशाली, किंतु भावशून्य उपकरण है। नब्बे फीसदी इंसान सिर्फ इसी उपकरण के सामने मुस्कुराते हैं। यह उपकरण कुछ और नहीं बल्कि कैमरा है। जी हां, वही कैमरा, जिसके सामने आते ही इंसान अपने समस्त दुःख-दर्द को ऐसे समेट लेता है, जैसे आम चुनाव के भाषण में नेताजी पिछले वर्ष की अधूरी घोषणाओं को समेट लेते हैं, और सरकार वित्तीय बजट में घाटा समेटती है। जैसे ही पेशेवर स्टूडियो के फोटोग्राफर द्वारा 'स्माइल प्लीज' का निर्देश प्राप्त होता है, या सेल्फी स्टिक पर टिके मोबाइल का फ्रंट कैमरा ऑन होता है, चेहरे पर जमी चिंता की धूल झट से उड़ जाती है और होंठों पर 3 से 5 सेंटीमीटर की मानक मुस्कान स्वतः चिपक जाती है।

यह मुस्कान इतनी अनुशासित होती है कि जाति, धर्म, लिंग, रंग, सब सीमाएं पार कर जाती है। नर, मादा, अन्य, काला, गोरा, सांवला आदि सबके चेहरे पर एक समान 'फोटो फ्रेंडली' लोकतंत्र दिखाई देता है। परंतु विडंबना देखिए, यह मुस्कान उतनी ही टिकाऊ होती है, जितने चुनावी वादे।

क्लिक होते ही मुस्कान का पुष्पक विमान सीधे वास्तविकता की शोक-वाटिका में क्रैश लैंडिंग कर देता है। फोटो में हम जितने खुश दिखते हैं, असलियत में उतने ही ईएमआई, महंगाई और बॉस के व्हाट्सएप मैसेज से त्रस्त होते हैं। उम्र से पहले ही जिम्मेदारी और परेशानियों के कारण चेहरे पर झुर्रियों की लक्ष्मण रेखाएं खिंच जाती हैं। सच तो यही है कि आज की भाग-दौड़ भरी जिंदगी में मुस्कुराना एक 'इवेंट' बन चुका है, जो मुख्यतः कैमरे के सामने ही आयोजित होता है। लगता है जैसे भाग-दौड़ भरी जिंदगी और अति व्यस्तता के बीच मुस्कान ने स्वैच्छिक अवकाश ले रखा है।

कार्यालय में काम का दबाव, वरीय पदाधिकारी का तनाव, घर में 'घरेलू प्रेशर', बाजार की महंगाई और बैंक की ईएमआई, इन सबने मिलकर होंठों की नैसर्गिक पहचान यानी, मुस्कान को जैसे गिरवी रख दिया है। ऐसे में बेचारा इंसान जब-तब मुस्कुराने के लिए अवसर ढूंढ़ता फिरता रहता है। तभी संकटमोचक बनकर प्रकट होता है, कैमरा! वह बिना किसी शर्त के प्रेमी-प्रेमिका की भूमिका निभाते हुए सामने खड़ा हो जाता है और कहता है, 'आओ, लल्ला कुछ सेकेंड के लिए थोबड़े पर मुस्कुराहट लाओ ताकि हम उस छवि को कैद कर सकें।' बस फिर क्या, जो मुस्कान बेमियादी हड़ताल पर थी, वह भी तुरंत एक्टिव हो जाती है और चेहरे पर 'इमरजेंसी स्माइल' आ जाती है।

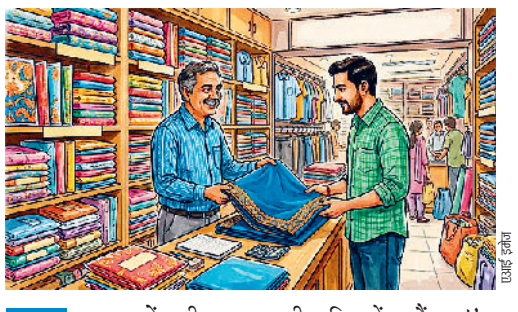

मजेदार बात यह है कि कैमरे के कारण हमें नकली मुस्कान हासिल होती है, जबकि कुछ घटनाएं स्वाभाविक (नेचुरल) मुस्कान का अवसर भी प्रदान करती हैं। दूसरों की असफलताओं पर, पड़ोसियों को दुःखी देखकर अथवा रिश्तेदारों के नुकसान या पतन पर भी एक हल्की-सी 'आंतरिक मुस्कान' जरूर उग आती है, जिसे हम सामाजिक संतुलन बनाए रखने के लिए चेहरे पर प्रकट नहीं होने देते। आत्मिक सुख के साथ हम मन ही मन उसका आनंद लेते रहते हैं। यद्यपि चलते-फिरते किसी परिचित चेहरे से सामना होने पर भी मुस्कुराने का अभिनय किया जाता है।

मुस्कुराहट के नवीनीकरण की जिम्मेदारी अब तो शहर में लगी तख्तियों ने अपने ऊपर ले रखी है, 'मुस्कुराइए, आप झुमरीतलैया में हैं', 'मुस्कुराइए, आप हाईटेक स्माइल सिटी में हैं!' असल में ये कोई साधारण संदेश नहीं, बल्कि सांस्कृतिक अनुस्मारक हैं, 'भाई, यहां मुस्कुराना मत भूल जाना, वरना लोग पहचान लेंगे कि तुम सच में परेशान हो!' मनोचिकित्सक भी सलाह देते हैं, 'हंसते रहिए, मुस्कुराते रहिए।' इसी सलाह को उद्योग का रूप देते हुए लाफ्टर शो, हास्य कवि सम्मेलन और अब रील संस्कृति भी मैदान में उतर चुकी है। लोग हंसने के लिए वीडियो देखते हैं और वीडियो बनाने के लिए हंसते हैं, यह एक आत्मनिर्भर चक्र है। मुस्कान अब भाव नहीं, एक 'प्रोजेक्ट' बन चुकी है, जिसका उद्घाटन कैमरे के सामने होता है और समापन तुरंत बाद। इसलिए अगली बार जब कोई कहे 'स्माइल प्लीज', तो समझ जाइए आपको खुशी नहीं दी जा रही, आपकी 'छवि' ली जा रही है। अंततः निष्कर्ष यही है कि आप खुश हों या न हों, अगर कैमरा सामने ऑन हो तो मुस्कुराना ही होगा। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

स्मृतियों की कतरनें

वरिष्ठ साहित्यकार नवनीत मिश्र के छोटे-छोटे संस्मरणों की किताब 'कितना कुछ तो है' हाल में प्रकाशित होकर आई है। इसमें उन्होंने अपने बचपन से लेकर वर्तमान समय तक की छोटी-छोटी मधुर स्मृतियों की कतरनों को बहुत सलीके से संजोया है। इनसे गुजरते हुए यह साबित होता है कि उनके भीतर का सजग लेखक हमेशा, गहन संवेदनशीलता के साथ अपने जीवन में घटित होने वाली घटनाओं और लोगों को देखता, महसूसता और उनके संग जीता रहा है। इन संस्मरणों को लिखने का अंदाज कहीं भी बनावटी नजर नहीं आता है। अपने भीतर के कमजोर पक्षों को भी उन्होंने पूरी ईमानदारी से स्वीकार किया है। 'बहिन जी', 'चोर पकड़ा गया' और 'एक थे पलाली बाबू' में उनके बचपन की मासूमियत भरी छवि उजागर हुई है तो युवावस्था में कार्यक्षेत्र में 'रहमान साहब' जैसे लोगों ने उनको प्रभावित किया। इसी तरह रिटायरमेंट के बाद कार ड्राइविंग सीखने के दौरान प्रशिक्षक से मिला अनुभव 'बैकव्यू मिरर' भी वे भूल नहीं पाए।

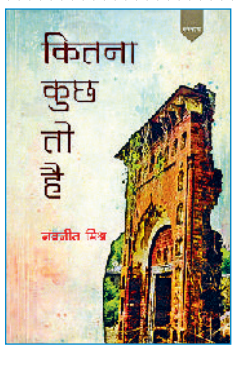

आमतौर पर साहित्यिक संस्मरण प्रसिद्ध हस्तियों पर केंद्रित होते हैं, लेकिन इस पुस्तक के संस्मरणों में जिस तरह से लेखक ने अपने जीवन में शामिल रहे सामान्य लोगों को सहृदयता से याद किया है, वह उनके भावुक व्यक्तित्व का परिचायक है। अपनी कहानियों की ही तरह बहुत सरल, सहज शैली में लिखे उनके ये संस्मरण, मन को छू लेते हैं। यह भी कह सकते हैं कि इन संस्मरणों में नवनीत जी की आत्मकथा स्पष्ट तौर पर झांकती हुई नजर आती है। *

पुस्तक: कितना कुछ तो है (संस्मरण), **लेखक:** नवनीत मिश्र, **मूल्य:** 450 रुपए, **प्रकाशक:** भावना प्रकाशन, दिल्ली

शिमला समर फेस्टिवल – 2026

सजेगी सांस्कृतिक रंगों की छटा

हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला में आयोजित होने वाले सबसे बड़े सांस्कृतिक उत्सवों में से एक है इंटरनेशनल शिमला समर फेस्टिवल। कल से शुरू हो रहे इस आयोजन में देश-विदेश के पर्यटक हिमाचल समेत देश की विविधरंगी संस्कृति की मोहक छटा से रूबरू हो सकेंगे। इस आयोजन की खासियतों पर एक नजर।

कल्चरल इवेंट
धीरज बसाक

जून की तपती गर्मी जब उत्तर भारत के मैदानी इलाकों को झुलसाने लगती है, तब हिमालय की गोद में बसा शिमला रंगों, संगीत और लोक संस्कृति के एक उत्सवी खुमार में डूब जाता है। आगामी 8 से 12 जून तक आयोजित होने वाला इंटरनेशनल शिमला समर फेस्टिवल इस बार केवल एक पर्यटन आयोजन नहीं बल्कि हिमाचल की सांस्कृतिक पहचान और लोकजीवन का एक बड़ा उत्सव बनकर सामने आ रहा है।

साढ़े छह दशक पुराना उत्सव: शिमला के ऐतिहासिक रिज मैदान और माल रोड पर होने वाला यह पांच दिनों का सांस्कृतिक महोत्सव, देशभर के पर्यटकों, कलाकारों और संस्कृति प्रेमियों को आकर्षित करता है। सन् 1960 में शुरू हुआ यह उत्सव, हिमाचल प्रदेश के सबसे पुराने सांस्कृतिक आयोजनों में से एक है। इसकी शुरुआत राज्य में पर्यटन को बढ़ावा देने और स्थानीय संस्कृति को मंच देने के उद्देश्य से की गई थी। समय के साथ यह आयोजन इतना लोकप्रिय हो गया कि आज इसे उत्तर भारत के प्रमुख ग्रीष्मकालीन सांस्कृतिक महोत्सवों में गिना जाता है।

शिमला समर फेस्टिवल इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह उस भारत की तस्वीर प्रस्तुत करता है, जो आधुनिकता के साथ अपनी सांस्कृतिक जड़ों को भी संजोए रखना चाहता है। हिमालय की ठंडी हवाओं के बीच लोकनृत्य, संगीत, कला और परंपरा का यह संगम साबित करता है कि संस्कृति केवल इतिहास नहीं बल्कि वर्तमान और भविष्य की बड़ी ताकत है।

सांस्कृतिक विविधता के होंगे दर्शन: शिमला समर फेस्टिवल की सबसे बड़ी पहचान उसकी सांस्कृतिक विविधता है। यहां केवल हिमाचली लोककला ही नहीं बल्कि देश के विभिन्न राज्यों की लोक परंपराएं भी एक मंच पर दिखाई देती हैं। इस बार उत्तराखंड का चोलिया नृत्य, जम्मू-कश्मीर का गोजरी नृत्य, राजस्थान का भवई और घूमर नृत्य के साथ ही तिब्बती सांस्कृतिक प्रस्तुतियों को भी शामिल किया जाएगा। इससे यह आयोजन देश की मिली-जुली संस्कृतियों की झांकी दिखाएगा। हिमाचल की प्रसिद्ध महानाटी और पारंपरिक नाटी नृत्य इस उत्सव का मुख्य आकर्षण माने जाते हैं। नाटी केवल एक लोकनृत्य नहीं बल्कि पहाड़ी समाज की सामूहिक सांस्कृतिक स्मृति है, जब सैकड़ों कलाकार एक साथ पारंपरिक वेशभूषा में नृत्य करते हैं, तो पूरा रिज मैदान जीवंत लोकचित्र में बदल जाता है। यही दृश्य हर वर्ष हजारों पर्यटकों को आकर्षित करता है।

नाटी लोकनृत्य करते स्थानीय कलाकार

होता है विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन

आयोजित होते हैं ट्रेडिशनल फैशन शोज

माल रोड पर फेस्टिवल का विहंगम दृश्य

कलाकारों को मिलेगा अवसर: आयोजकों के अनुसार, इस साल लोकप्रिय गायकों और लोक कलाकारों की प्रस्तुतियां हर शाम आयोजित की जाएंगी। इसके अलावा युवा कलाकारों को भी मंच दिया जाएगा। आयोजन के दौरान इस तरह की पहल स्थानीय प्रतिभाओं को राष्ट्रीय पहचान दिलाने में मदद करेगी।

अर्थव्यवस्था में योगदान: यह उत्सव केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं है। इसके माध्यम से स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलती है। होटल, टैक्सी, रेस्त्रां, हस्तशिल्प व्यवसाय और स्थानीय बाजारों में पर्यटकों की संख्या बढ़ने से आय में उल्लेखनीय वृद्धि होती है। शिमला का प्रसिद्ध लक्कड़ बाजार, हस्तनिर्मित लकड़ी के उत्पादों और स्थानीय शॉलों के लिए जाना जाता है, जहां इस दौरान काफी भीड़ दिखाई देती है। फूड फेस्टिवल भी इस आयोजन का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यहां पर पर्यटकों को पारंपरिक हिमाचली व्यंजन जैसे सिड्डू, मदरा, बबरू और धाम का स्वाद लेने का अवसर मिलता है।

सांस्कृतिक संरक्षण का महत्वपूर्ण माध्यम: शिमला समर फेस्टिवल, केवल एक पर्यटन कार्यक्रम नहीं है बल्कि यह सांस्कृतिक संरक्षण का महत्वपूर्ण माध्यम है। तेजी से बदलती जीवनशैली और डिजिटल मनोरंजन के दौर में ऐसे आयोजन स्थानीय परंपराओं को जीवित रखने का काम करते हैं। युवा पीढ़ी यहां लोकनृत्य, लोकसंगीत और क्षेत्रीय कलाओं से परिचित होती है, जिससे सांस्कृतिक विरासत आगे बढ़ती है। शिमला का रिज मैदान ब्रिटिश काल से ही विभिन्न तरह की सांस्कृतिक गतिविधियों का केंद्र रहा है। यह ऐतिहासिक स्थल आज भी शहर की सांस्कृतिक पहचान बना हुआ है। इंटरनेशनल शिमला समर फेस्टिवल के दौरान जब शाम ढलते ही रोशनी से जगमगाता रिज मैदान, लोकसंगीत की धुनों से गूंजता है तो शिमला ही नहीं पूरे हिमाचल प्रदेश की उत्सवधर्मिता देखते ही बनती है। *

खास है इस बार का आयोजन

इस साल का इंटरनेशनल शिमला समर फेस्टिवल, कई दृष्टियों से खास और अलग होगा। इस आयोजन में लोकनृत्य, संगीत प्रस्तुतियां, कला प्रदर्शनियां, फ्लावर शो, फूड फेस्टिवल, ट्रेडिशनल माउंटेनियरिंग फैशन शो और विभिन्न राज्यों की सांस्कृतिक झलकियां देखने को मिलेंगी। इसके साथ ही पहली बार 'राइड ऑफ सेवन हिल्स' नामक हेलिकॉप्टर जॉय राइड भी शामिल की जा रही है, जिसके जरिए पर्यटक शिमला की सात पहाड़ियों का हवाई दृश्य देख सकेंगे।

सेल्फ मोटिवेशन
शिखर चंद जैन

सफलता पाने के लिए टैलेंट और हार्ड वर्क तो जरूरी है ही, इसके साथ बिहेवियर कल्चर यानी व्यवहार संस्कृति भी मायने रखती है। क्या है बिहेवियर कल्चर, सक्सेस में क्या होती है इसकी भूमिका, आपको जरूर जानना चाहिए।

सक्सेस के लिए वर्क के साथ बिहेवियर कल्चर भी जरूरी

अधिकांश लोग मानते हैं कि सफलता सिर्फ प्रतिभाशाली यानी टैलेंटेड लोगों को ही मिलती है। लेकिन सच यह है कि सफलता सिर्फ टैलेंट से नहीं, बल्कि वर्क और बिहेवियर कल्चर से भी प्रभावित होती है। इन दोनों क्वालिटीज को अपनाकर एक औसत दर्जे का व्यक्ति या ऐसे लोगों की टीम भी सफलता हासिल कर सकती है। 'वर्क कल्चर' के बारे में तो लोग फिर भी जानते हैं लेकिन बिहेवियर कल्चर यानी व्यवहार संस्कृति को लेकर आपके मन में जिज्ञासा हो सकती है, इसलिए इसे समझना भी जरूरी है।

क्या होता है बिहेवियर कल्चर

बिहेवियर कल्चर का तात्पर्य उन तौर-तरीकों, सामाजिक मानदंडों, मूल्यों और आचरण के नियमों से है, जो किसी समाज या समूह में व्यक्तियों के एक-दूसरे के साथ बातचीत करने और प्रतिक्रिया देने के तरीके को निर्मित करते हैं। डैनियल कॉयल ने अपनी पुस्तक 'द कल्चर कोड' में बेहतरीन टीमों और समूहों के सफल होने के पीछे के रहस्यों को उजागर किया है। डैनियल ने दुनिया की सबसे सफल टीमों का अध्ययन कर पाया कि उनकी सफलता तीन स्तंभों पर टिकी है-

सुरक्षा का निर्माण: टीम के सदस्यों को यह महसूस कराना कि वे सुरक्षित हैं और एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं।

कमियों को साझा करना: अपनी कमियों को स्वीकार करना ताकि आपसी विश्वास, सहयोग बढ़े।

उद्देश्य स्थापित करना: वर्तमान काम को भविष्य के एक साझा लक्ष्य या उद्देश्य से जोड़ना।

ऐसे अपनाएं बिहेवियर कल्चर

आप अपनी प्रोफेशनल या बिजनेस करियर में बिहेवियर कल्चर को कुछ इस तरह लागू कर सकते हैं-

अपनी कमियों को स्वीकारें: अकसर लोग अपनी गलतियों को छुपाते हैं ताकि वे कमजोर न लगें। लेकिन शोध बताते हैं कि जब लीडर अपनी कमजोरी साझा करता है, तो टीम के बीच परस्पर खुलापन और विश्वास बढ़ता है। जब आप कहते हैं, 'मैंने यहां गलती की, आपकी क्या राय है?' तो आप दूसरों को मदद करने और ईमानदारी दिखाने के लिए आमंत्रित करते हैं।

सुनने की कला विकसित करें: जब आप ध्यान से सुनते हैं, तो आप टीम में अपना महत्व बढ़ा लेते हैं। सुनते समय लोगों को बीच में न टोकें और वक्ता के विचारों को विस्तार देने वाले प्रश्न पूछें। जब कोई व्यक्ति महसूस करता है कि उसे गहराई से सुना गया है, तो उसका जुड़ाव और जिम्मेदारी का भाव बढ़ जाता है।

साझा लक्ष्य की शक्ति: यदि सबको पता है कि मंजिल कहां है, तो रास्ता आसान हो जाता है। अपनी टीम को याद दिलाते रहें कि उनका काम बड़े लक्ष्य में कैसे योगदान दे रहा है। टीम को सिर्फ 'क्या करना है' न बताएं, बल्कि 'क्यों करना है' पर भी जोर दें।

अहंकार को दूर रखें: सफल व्यवहार संस्कृति में 'पद' से ज्यादा 'विचार' को महत्व दिया जाता है। जहां हर व्यक्ति को अपनी बात रखने की आजादी होती है, वहीं नए आइडियाज जन्म लेते हैं।

छोटे व्यवहार, बड़ा बदलाव: समय पर आना, दूसरों की मेहनत की सराहना करना और कठिन समय में साथ खड़े होना। ये छोटी-छोटी आदतें और व्यवहार निवेश की तरह हैं, जो भविष्य में टीम की मजबूती के रूप में 'कंपाउंड इंटरेस्ट' देते हैं।

नकारात्मकता पर लगाएं लगाम: अगर कोई व्यक्ति लगातार नकारात्मकता फैला रहा है या दूसरों को नीचा दिखा रहा है, तो ऐसे व्यवहार को तुरंत नकारें ताकि समूह की सामूहिक ऊर्जा और विश्वास सुरक्षित रहे।

फीडबैक का सही तरीका अपनाएं: किसी को उसकी गलती नीचा दिखाने या डांटने के लिए नहीं बल्कि सुधार और उसे क्षमताओं का पूरा इस्तेमाल करने की प्रेरणा देने के लिए बताएं। गलती बताते हुए हमेशा यह जताएं कि आप फीडबैक इसलिए दे रहे हैं क्योंकि आपको उनकी क्षमता पर भरोसा है। *

ट्रेडिशन / अभिव्यक्ति त्रिवेदी

भारत समेत दुनिया के कई देशों के जनजातीय समुदायों में महिलाओं के लिए कुछ अजीबो-गरीब और कष्टप्रद परंपराएं प्रचलित हैं। इनमें से कुछ के बारे में जानिए।

अजब-अनोखी जनजातीय परंपराएं

प्राचीन काल से ही भारत सहित दुनिया के कई देशों में रहने वाले जनजातीय समाजों में अनेक ऐसी परंपराएं मौजूद रही हैं, जो शारीरिक तौर पर बहुत तकलीफदेह होती हैं। इनमें भी ज्यादातर पैनिक ट्रेडिशंस महिलाओं से जुड़ी हैं। ऐसी ही कुछ अजीबो-गरीब ट्रेडिशंस के बारे में यहां बता रहे हैं।

गले में धातु के छल्ले: म्यांमार देश में रहने वाली कायन जनजाति की महिलाएं अपने गले में पीतल या ब्रास धातु के बने छल्ले पहनती हैं। कहा जाता है कि इससे उनकी गर्दन जिराफ की गर्दन की तरह लंबी हो जाती है। ब्रास या पीतल की धातु के इन छल्लों का वजन करीब 20 किलो तक होता है। इसी से आप अंदाजा लगा सकते हैं कि इनको पहनकर महिलाएं कैसे रहती होंगी और कैसे खेतों में काम करती होंगी। वे महिलाएं अपने गले में ये छल्ले एक के ऊपर एक करके पहनती हैं। इसमें नीचे सबसे बड़े आकार का छल्ला होता है और ऊपर की तरफ पहने जाने वाले छल्ले छोटे होते जाते हैं। वहां पर बचपन से ही लड़कियों के गले में छल्ले डालने लगते हैं, जिससे उनके गले का आकार सुराहीनुमा और लंबा होता जाता है।

इस प्रथा के शुरू होने के पीछे यह मान्यता थी कि लंबी गर्दन वाली महिलाएं बदसूरत नजर आएंगी तो उसे दूसरी जनजाति के लोग अगवा नहीं करेंगे। इस तरह वो खुद को सुरक्षित रखने के लिए गर्दन लंबी करती थीं। इसके पीछे की एक मान्यता यह भी है कि जिन जंगली गांवों में ये लोग रहते हैं, वहां बाघ भी पाए जाते हैं, जो अकसर इंसानों पर हमला कर देते हैं। हमले में बाघ सबसे पहले इंसान की गर्दन पर हमला करते हैं, इसलिए यहां की महिलाओं ने अपने गले को धातु के छल्लों से ढंकना शुरू कर दिया।

काले दांत की परंपरा: ऐतिहासिक प्रमाणों के अनुसार जापान में रहने वाली कुछ जनजातीय महिलाएं विवाहित होने पर अपने दांतों को काले रंग से रंगती थीं, जिसे 'ओहागुरो' कहा जाता था। ओहागुरो में महिलाओं द्वारा लोहे के बुरादे और सिरके के मिश्रण से दांतों को काला किया जाता था।

9वीं से 19वीं शताब्दी तक प्रचलित रही यह प्रथा सुंदरता, विवाह और उच्च सामाजिक स्थिति का प्रतीक थी। दांत काले करने का सबसे बड़ा उद्देश्य दांतों की सुरक्षा करना हुआ करता था। यह दांतों की सड़न को रोकने में मदद करती थी। इसमें उपयोग होने वाले मिश्रण में लौहतत्व और हर्बल टैनिन होते थे, जो दांतों को मजबूत बनाते और कीड़ों से बचाते थे। इसे आधुनिक डेंटल सीलेंट के समान माना जाता है।

जापान के अलावा वियतनाम, थाईलैंड, लाओस तथा फिलीपींस की हिल ट्राइब्स में भी ये परंपरा प्रचलित थी। यही नहीं, इंडोनेशिया और पेरू में जनजातियों द्वारा सांस्कृतिक पहचान के रूप में भी इसे अपनाया जाता था। हालांकि 1870 में जापान में इस परंपरा पर प्रतिबंध लगा दिया गया। दरअसल, पश्चिमी सौंदर्य मानकों और वहां की महारानी के बिना काले किए दांत दिखने के बाद यह बदलाव आया। धीरे-धीरे यह प्रथा केवल नाटकों और त्योहारों तक सीमित हो गई। आजकल, ओहागुरो को केवल कुछ जापानी त्योहारों, ऐतिहासिक फिल्मों आदि में ही देखा जा सकता है।

होंठों में प्लेट: इथियोपिया के ओमो घाटी में रहने वाली जनजातियों में से एक है मुर्सी जनजाति। ये लोग कई तरह के पारंपरिक वस्त्र और आभूषण पहनते हैं। इस जनजाति की महिलाओं द्वारा निचले होंठ में मिट्टी या लकड़ी की प्लेट (डिस्क) पहनना सुंदरता, परिपक्वता और सामाजिक स्थिति का प्रतीक माना जाता है। 15 से 16 साल की उम्र की लड़कियों में इस परंपरा को किया जाता है। इसमें निचले होंठ को काटा जाता है, फिर घाव भरने तक गीले कपड़े से ढंककर रखा जाता है। फिर उसमें प्लेट फंसा दी जाती है। होंठ को खींचकर उसमें प्लेट डालने की यह प्रक्रिया बेहद दर्दनाक होती है।

होंठों में प्लेट पहनने का चलन अविवाहित लड़कियों और नवविवाहित महिलाओं में अधिक देखने को मिलता है। आमतौर पर इन्हें पुरुषों को भोजन परोसने, गायों का दूध दुहने और शादी जैसे महत्वपूर्ण अनुष्ठानों के दौरान पहना जाता है। इस प्लेट के कई अर्थ हैं। पहला, यह अत्यधिक सुंदरता का प्रतीक है। दूसरा, यह पति के प्रति निष्ठा का भी प्रतीक है इसीलिए पति को भोजन परोसते समय इसे बड़े गर्व से पहना जाता है। *

नाक में लकड़ी के प्लग लगाना

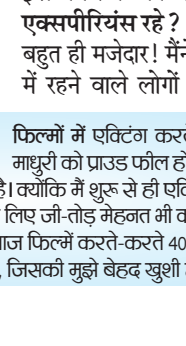

अपने देश के खूबसूरत राज्य अरुणाचल प्रदेश की घाटियों में रहने वाली अपतानी जनजाति अपनी अनोखी संस्कृति और परंपराओं के लिए मशहूर है। इस जनजाति की महिलाओं में चेहरे पर टैटू और नाक में दोनों ओर काली लकड़ी के प्लग लगाने की परंपरा रही है। यह अनोखी प्रथा इन्हें अन्य समुदायों से अलग करती है और उनकी एक अलग पहचान बनाती है। जहां आमतौर पर महिलाओं में नाक छिदवाना सुंदरता का प्रतीक माना जाता है, वहीं इन जनजातियों में यह प्लग पहनना आकर्षण और विशेष सौंदर्य का प्रतीक माना जाता है।

बीते 4 जून को माधुरी दीक्षित नेने की फिल्म 'मां-बहन' नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई है। फिल्म में दो यंग बेटियों की सिंगल मदर का रोल उन्होंने क्या सोचकर एक्सेप्ट किया? लंबे गैप के बाद कॉमेडी करके उन्हें कैसा लगा? फिल्मों में चार दशक गुजारने पर वे कैसा फील करती हैं? फिल्म और करियर से जुड़ी बातचीत माधुरी दीक्षित नेने से।

फिल्म 'मां-बहन' में मैं बिंदास मां बनी हूं: माधुरी दीक्षित नेने

खास मुलाकात / आरती सक्सेना

बॉलीवुड दिवा माधुरी दीक्षित नेने, अपनी खूबसूरत मुस्कान, शोख अदाओं और कमाल की अभिनय क्षमता के बल पर सालों से दर्शकों को दीवाना बनाती आई हैं। हर रोल को वह बेहतरीन तरीके से परफॉर्म करती हैं। माधुरी की एक्टिंग परफॉर्मेंस का कमाल एक बार फिर नेटफ्लिक्स पर हाल ही में रिलीज फिल्म 'मां-बहन' में दर्शकों को देखने को मिल रहा है। इस फिल्म में माधुरी दो बेटियों की सिंगल मदर का किरदार निभा रही हैं। लेकिन यह सिंगल मदर बेचारी नहीं बल्कि शोख अदाओं का जादू बिखेरने वाली बिंदास और सशक्त मां है। फिल्म में माधुरी के साथ तृप्ति डिमरी, रवि किशन, धरना दुर्गा, गीतांजलि कुलकर्णी, शार्दुल भारद्वाज और अरुणोदय सिंह भी हैं। इस फिल्म की कहानी पूजा तोलानी और सुरेश त्रिवेणी ने लिखी है। फिल्म को डायरेक्ट किया है सुरेश त्रिवेणी ने। पेश है माधुरी दीक्षित नेने से इस फिल्म को लेकर हुई बातचीत के प्रमुख अंश-

नेटफ्लिक्स पर रिलीज फिल्म 'मां-बहन' में कौन-सी बात आपको ऐसी लगी, जो आपने फिल्म में दो जवान बेटियों की सिंगल मदर की भूमिका निभाने का मन बना लिया?

इस फिल्म में भले ही मैं दो बेटियों की सिंगल मदर हूं, लेकिन मैं बेचारी और दुखियारी मां नहीं हूं, बल्कि इस फिल्म में मैं ऐसी मां बनी हूं, जो अपनी उम्र की परवाह न करते हुए एकदम ग्लैमरस और बिंदास दिखती है। फिल्म में मेरे किरदार का नाम रेखा है। रेखा अपना परिवार चलाने के लिए कभी साइबर कैफे तो कभी वाइन शॉप में काम करती है। साथ ही अपनी अदाओं से मर्दों को घायल करके अपना उल्लू भी सीधा कर लेती है। मेरा किरदार इस फिल्म में परंपरागत मां से बिल्कुल अलग है। मैं इस फिल्म में जिंदगी को पूरी तरह जीने वाली बिंदास मां बनी हूं। यह अपने आप में एकदम अलग भूमिका है और मजेदार भी। मुझे खुशी है कि मेरी इस फिल्म 'मां बहन' को दर्शकों का प्यार मिल रहा है। क्रिटिक्स को भी फिल्म पसंद आ रही है, इसे अच्छे रिव्यूज और रेटिंग्स मिल रहे हैं।

क्या इस फिल्म का टाइटल 'मां-बहन' आपको बहुत अटपटा नहीं लगा?

फिल्म के डायरेक्टर और को-राइटर सुरेश त्रिवेणी जब पहली बार मुझे इस फिल्म की कहानी सुनाने आए तो मैंने फिल्म का टाइटल पूछा। जब सुरेश जी ने फिल्म का टाइटल 'मां बहन' बताया तो मुझे लगा कि वह मजाक कर रहे हैं। लेकिन जब मैंने इस फिल्म की कहानी सुनी तो मुझे फिल्म का टाइटल सही लगा, क्योंकि यह टाइटल फिल्म की कहानी से पूरी तरह रिलेट करता है।

फिल्म के एक सीन में तृप्ति डिमरी, धरना दुर्गा के साथ माधुरी दीक्षित

आप इस फिल्म में काफी समय बाद कॉमेडी करती दिखीं। कैसा अनुभव रहा?

मुझे हमेशा से कॉमेडी फिल्म में काम करना पसंद रहा है। जब मुझे 'मां-बहन' फिल्म ऑफर हुई तो मुझे इसकी कहानी बहुत अच्छी लगी, क्योंकि इस फिल्म में लड़कियों और महिलाओं की भावनाओं को हास्य रूप में प्रस्तुत करते हुए एक बेहतरीन भावनात्मक कहानी को पेश करने की कोशिश की गई है। यह एक ऐसी फिल्म है, जो जिंदगी के कई रंगों को प्रस्तुत करती है। इस फिल्म के जरिए मेरी डार्क कॉमेडी में एंट्री हुई है। इस फिल्म में क्राइम, थ्रिल और इमोशंस के साथ-साथ कॉमेडी को भी डिफरेंट तरीके से प्रस्तुत किया गया है। यह पूरी फैमिली के साथ बैठकर देखी जाने लायक एंटरटेनमेंट से भरपूर फिल्म है।

इस फिल्म की शूटिंग के दौरान कैसे एक्सपीरियंस रहे?

बहुत ही मजेदार! मैंने इसमें एकदम उत्तर प्रदेश में रहने वाले लोगों की स्टाइल में डायलॉग्स बोले हैं, जिसमें मुझे बहुत मजा आया। सेट पर माहौल बहुत अच्छा रहता था। फिल्म में मेरी बेटियों का रोल निभा रहीं तृप्ति डिमरी और धरना दुर्गा के साथ मैं खूब मस्ती-मजाक करती थी। चूंकि यह फिल्म सस्पेंस मर्डर और कॉमेडी से भरपूर मजेदार कहानी है, इसलिए सेट पर माहौल भी पॉजिटिव और हंसी-मजाक वाला रहता था। सुरेश त्रिवेणी बहुत ही अच्छे कहानीकार और डायरेक्टर हैं, वो सेट पर हमेशा हल्का-फुल्का और पॉजिटिव माहौल रखते थे।

जब आप अपने फिल्मी सफर को याद करती हैं तो किन फिल्मों को लेकर आपको बेहद खुशी होती है?

मेरी कई ऐसी फिल्में हैं, जो सिर्फ सफल ही नहीं हुईं बल्कि जिसने मुझे और मेरे किरदार को भी यादगार बनाया, 'देवदास', 'हम आपके हैं कौन', 'तेजाब', 'दिल तो पागल है' ऐसी कितनी ही फिल्में हैं, जिनमें अभिनय करके मुझे संतुष्टि और खुशी मिली।

आप पर फिल्माए गए कई गाने आज भी पॉपुलर हैं, जैसे 'धक-धक करने लगा', 'चोली के पीछे क्या है' आदि। इन सॉन्ग्स को लेकर आप क्या कहेंगी?

मुझे खुशी होती है कि मेरे ऊपर फिल्माए गए गाने आज की पीढ़ी भी पसंद करती है। मैं जिस भी पार्टी फंक्शन में जाती हूं, वहां 'धक धक' गाने पर लड़कियों का डांस मुझे देखने को मिलता है। मैं खुद कई बार इस गाने पर पार्टी फंक्शन में डांस कर चुकी हूं। इसी तरह 'एक दो तीन', 'चोली के पीछे क्या है', 'चने के खेत में' और 'डोला रे डोला' जैसे सभी गाने आज भी पॉपुलर हैं, यह देखकर खुशी मिलती है। *

एक्टिंग करते बीत गए 40 साल

फिल्मों में एक्टिंग करते 40 साल बीतने पर क्या माधुरी को प्राउड फील होता है, पूछने पर वह कहती हैं, 'प्राउड तो नहीं कह सकती हां, खुशी जरूर होती है। क्योंकि मैं शुरू से ही एक्टिंग लाइन में आना चाहती थी। मैंने अपने आपको फिल्मों में स्टेब्लिश करने के लिए जी-तोड़ मेहनत भी की है। शुरुआत में तो लगता था कि पता नहीं मैं सफल होऊंगी या नहीं, लेकिन आज फिल्में करते-करते 40 साल निकल गए और इन सालों में मैंने कई बेहतरीन और यादगार फिल्में की, जिसकी मुझे बेहद खुशी है।